प्रातःकालीन संस्करण
वर्ष- 8 अंक- 311
पृष्ठ-08 मूल्य- 2 रुपया

रविवार 09 मार्च 2025
नई दिल्ली
विक्रम सम्वत् 2081

तापमान
अधिकतमः 24°
न्यूनतमः 16°

हिन्दी दैनिक
नई दिल्ली, देहरादून, लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

खरी कसौटी

बुलंद आवाज सच्चाई के साथ
E-paper: www.kharikasauti.com
नई दिल्ली संस्करण
RNI NO. DELHIN/2016/72182

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर केंद्रीय... 03
नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद 04
विजय से ब्रेकअप की अफवाहों के... 08

हमारी सरकार ने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम किया

एजेंसी। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी जिले में लखपति दीदियों से बातचीत की। इस अवसर पर पीएम मोदी के साथ गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद थे। लखपति दीदी एक स्वयं सहायता समूह की सदस्य होती हैं, जिनकी वार्षिक घरेलू आय एक लाख रुपए या उससे ज्यादा है। इस आय की गणना कम से कम चार कृषि मौसमों और व्यवसाय चक्रों के लिए की जाती है, जिसमें औसत मासिक आय दस हजार रुपए से ज्यादा होती है। पीएम मोदी पांच लखपति दीदियों को लखपति दीदी प्रमाण पत्र से सम्मानित किया और सभा को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री गुजरात सरकार के जी-सफल और जी-मैत्री कार्यक्रम का भी शुभारंभ करेंगे। जी-मैत्री योजना ग्रामीण आजीविका के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए काम कर रहे स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता और सहायता प्रदान करेगी। जी-सफल गुजरात के दो आकांक्षी जिलों और 13 आकांक्षी ब्लॉकों में अंत्योदय परिवारों की एसएचजी महिलाओं को वित्तीय सहायता और उद्यमशीलता प्रशिक्षण प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की ताकत और योगदान को पहचानते हुए नारी शक्ति को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में घोषणा की कि उनके सोशल मीडिया पर कई क्षेत्रों की महिलाएं इस अवसर पर अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शित कीं। पीएम मोदी ने कहा कि हम महिला दिवस पर अपनी नारी शक्ति को नमन करते हैं। हमारी सरकार ने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम किया है, जो हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में झलकता है। आज, जैसा कि मैंने वादा किया था, मेरी सोशल मीडिया संपत्तियों को उन महिलाओं द्वारा संभाला जाएगा जो विविध क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि नवसारी जिले के वानसी बोरसी गांव में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में बहुत बड़ी व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम में डेढ़ लाख से ज्यादा महिलाएं भाग ले रही हैं। गुजरात पुलिस ने अनूठी व्यवस्था की। पूरी सुरक्षा महिला अधिकारियों द्वारा की गई है। एडीजीपी से लेकर कॉन्स्टेबल तक सभी महिलाएं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पीएम मोदी ने की लखपति दीदियों से बात

शतरंज स्टार, वैज्ञानिक, मशरूम लेडी सहित छह महिलाओं ने संभाला प्रधानमंत्री मोदी का एक्स अकाउंट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करने वाली छह महिलाओं को सौंपकर देशभर में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। आज प्रधानमंत्री मोदी का एक्स अकाउंट संभालने वालों में शतरंज स्टार, वैज्ञानिक और मशरूम लेडी सहित छह महिलाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने आज उनका सोशल मीडिया अकाउंट्स संभालने वाली छह प्रेरक महिलाओं का जिक्र कर विकसित भारत के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री की इस पहल के कारण अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छह महिलाओं को प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने प्रेरक विचार और यात्रा को देश-दुनिया के साथ साझा करने का अवसर मिला। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, "सुबह से ही आप सभी ने असाधारण महिलाओं द्वारा अपने सफ़र को साझा करने और अन्य महिलाओं को प्रेरित करने वाले प्रेरक पोस्ट देखे हैं। ये महिलाएं भारत के अलग-अलग हिस्सों से हैं और उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल की है, लेकिन एक अंतर्निहित विषय है- भारत की नारी शक्ति का कौशल। उनका दृढ़ संकल्प और सफलता हमें महिलाओं की असीम क्षमता की याद दिलाती है। आज और हर दिन, हम एक विकसित भारत को आकार देने में उनके योगदान का जश्न मनाते हैं। इस अनूठी पहल की घोषणा सबसे पहले प्रधानमंत्री ने 23 फरवरी को अपने मन की बात कार्यक्रम के दौरान की थी, जिससे छह सफल महिलाओं को मोदी के सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से अपनी कहानियां साझा करने का अवसर मिला। इनमें तमिलनाडु के चेन्नई में 2001 में जन्मी वैशाली भी हैं। वह शतरंज की ग्रैंडमास्टर खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2023 में फिडे ग्रैंड स्विस जीतकर महिला विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। वे ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद की बड़ी बहन हैं।

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे पास करोड़ों माताओं-बहनों का आशीर्वाद है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुजरात के नवसारी जिले में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में कहा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं क्योंकि मेरे पास करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस दिन, गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। जब मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं, तो कई लोगों के कान खड़े हो जाएंगे। आज पूरी ट्रॉल सेना मैदान में उतर जाएगी, लेकिन मैं फिर भी दोहराऊंगा कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरी जिंदगी के अकाउंट में करोड़ों माताओं, बहनों-बेटियों का आशीर्वाद है और ये आशीर्वाद निरंतर बढ़ता जा रहा है, इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मां गंगा का आशीर्वाद मिला और आज मातृशक्ति के इस महाकुंभ में आप सभी माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिला। आज महिला दिवस का ये दिन, गुजरात की मेरी मातृभूमि और इतनी बड़ी संख्या में माताओं, बहन-बेटियों की ये उपस्थिति, इस विशेष दिन आपके इस प्यार, स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं मातृशक्ति को सिर झुकाकर नमन करता हूं। मोदी ने कहा कि गुजरात की इस धरती से मैं सभी देशवासियों को, देश की सभी माताओं-बहनों को महिला दिवस की शुभकामनाएं भी देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन तलाक के मामले में मुस्लिम महिलाएं अपनी सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रही थीं। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 के जरिए हमने उनकी जिंदगी बर्बाद होने से बचाई है। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था, तो उन्हें कई अधिकार नहीं दिए जाते थे। अगर वे राज्य से बाहर शादी करती थीं तो उनके संपत्ति के अधिकार छीन लिए जाते थे। अनुच्छेद 370 के खत्म होने के बाद अब उन्हें देश की हर महिला की तरह समान अधिकार मिले हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए शौचालय (इज्जत घर) उपलब्ध कराकर हमने उन्हें सम्मान दिया है।

संक्षिप्त समाचार

महिला समृद्धि योजना को मंजूरी, गरीब महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि महिला समृद्धि योजना के तहत गरीब बहनों को 2500 रुपये देने के वादे को पूरा करते हुए कैबिनेट ने इस पर मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का एक सुंदर अवसर है और इस अवसर का सदुपयोग करते हुए हमने अपनी कैबिनेट की बैठक की, जिसमें सभी मंत्री उपस्थित रहे। कैबिनेट ने महिला समृद्धि योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के लिए दिल्ली सरकार ने अपने बजट में 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित भाजपा दिल्ली महिला मोर्चा के कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर रेखा गुप्ता के अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा समेत कई प्रमुख नेता शामिल हुए। रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारा समाज बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ से होता हुआ बेटी बढ़ाओ तक पहुंचा है। यह हम सभी के लिए खुशी की बात है। समाज को आगे आना होगा कि बेटी बढ़ाने के लिए न केवल शिक्षा बल्कि उसका स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, सम्मान और सशक्तीकरण जैसी हर चीज को जोड़ना होगा। आज समाज में पहले की अपेक्षा बहुत बदलाव है। यह समाज के मन से आना चाहिए कि हमारे लिए बेटी और बेटा बराबर है।

वायु सेना प्रमुख ने अमेरिकी फाइटर जेट की खरीद पर कहा, ये कोई वाशिंग मशीन या फ्रिज नहीं

नई दिल्ली। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट बेचने की पेशकश की थी। अब भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर मार्शल एपी सिंह ने बड़ा बयान दिया है। वायुसेना प्रमुख सिंह ने कहा कि अमेरिका ने इस विमान पर अब तक कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं दिया है। उन्होंने भारत को आधुनिक टेक्नोलॉजी को अपनाने और अपनी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया। एक कार्यक्रम में एयर मार्शल सिंह ने कहा कि वायु सेना ने अभी तक एफ-35 विमान का विश्लेषण नहीं किया है और इसकी लागत भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह कोई वॉशिंग मशीन या रेफ्रिजरेटर नहीं है कि सिर्फ दिखा और अच्छा लगाने पर खरीद लिया। वायुसेना और रक्षा मंत्रालय ने अभी इस पर कोई विचार नहीं किया है। अब तक कोई प्रस्ताव नहीं आया है। 14 फरवरी को भारत और अमेरिका ने नई 10-वर्षीय रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर किए थे। तब राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका 'एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू जेट' विमान की संभावित आपूर्ति सहित भारत को सैन्य हार्डवेयर की बिक्री में वृद्धि करेगा। हालांकि, एयर मार्शल एपी सिंह ने बताया कि भारत का पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान कार्यक्रम एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीएम) अभी विकास के चरण में है और इसके पहले विमान के 2035 तक शामिल होने की उम्मीद है।

भारत में इसी माह से दौड़ेगी हाइड्रोजन ट्रेन, पर्यावरण संरक्षण में मिलेगी बड़ी सफलता

नई दिल्ली। भारत जल्द ही हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली अपनी पहली ट्रेन को पटरियों पर उतारने के लिए तैयार है। यह ट्रेन डीजल और बिजली के बिना दौड़ेगी और पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी पर आधारित होगी। इस नई तकनीक के साथ रेलवे का कार्बन फुटप्रिंट भी कम होगा। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस ट्रेन का पूरा डिजाइन और तकनीक भारत में ही विकसित की गई है। इसे चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में तैयार किया जा रहा है और शुरुआत में इसे नॉर्दर्न रेलवे के दिल्ली डिवीजन में जींद-सोनीपत रूट पर चलाया जाएगा। सरकार लंबे समय से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही थी और अब यह सपना साकार होने के करीब है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ट्रेन 31 मार्च तक संचालन में आ जाएगी। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो ग्रीन मोबिलिटी को अपनाने में आगे हैं। जर्मनी, फ्रांस, चीन और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में पहले से हाइड्रोजन ट्रेनों का संचालन हो रहा है। रेल मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 35 हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेनों के निर्माण के लिए 2,800 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया था। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त होगी। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के मिश्रण से बिजली उत्पन्न कर यह ट्रेन दौड़ेगी, जिससे केवल जल वाष्प उत्सर्जित होगा।

स्वावलंबी, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण संभव : राष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर कहा कि स्वावलंबी, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त नारी के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए पुरुषों से महिलाओं को सहयोग करने की अपील की है। राष्ट्रपति नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित 'नारी नेतृत्व से विकसित भारत' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने, उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता बढ़ाने तथा लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए स्वयं को समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प हम सबका संकल्प है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। इसलिए पुरुषों को महिलाओं को सबल, सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में हर कदम पर सहयोग करना चाहिए। महिलाओं को पूरे आत्मविश्वास, लगन एवं मेहनत के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए और देश एवं समाज के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अवधि में महिला समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि वह अपनी जीवन यात्रा को इस प्रगति का एक हिस्सा मानती हैं। ओडिशा के एक साधारण परिवार और पिछड़े इलाके में जन्म लेने से लेकर राष्ट्रपति भवन तक का उनका सफर भारतीय समाज में महिलाओं के लिए समान अवसरों और सामाजिक न्याय की कहानी है। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं की सफलता के उदाहरण आगे भी बढ़ते रहेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने को लेकर लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर माहौल मिलना जरूरी है। उन्हें ऐसा माहौल मिलना चाहिए जहां वे बिना किसी दबाव या डर के अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र निर्णय ले सकें। हमें ऐसा आदर्श समाज बनाना है, जहां कोई भी बेटी या बहन अकेले कहीं जाने या रहने से न डरे। महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना ही भयमुक्त सामाजिक माहौल बनाएगी। ऐसे माहौल में लड़कियों को जो आत्मविश्वास मिलेगा, वह हमारे देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जब भी हमने महिलाओं की प्रतिभा का सम्मान किया है, उन्होंने हमें कभी निराश नहीं किया है।

महिलाएं बुद्धि, समर्पण से समाज को नया आकार देने वाली शक्तिशाली एजेंट

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी नेताओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। खड़गे ने एक्स पर लिखा- जागो, उठो और शिक्षित बनो। परंपराओं को तोड़ो। आजाद हो जाओ। लैंगिक समानता से ही देश में बदलाव आता है। महिलाएं अपनी बुद्धि, समर्पण और शक्ति के जरिए से समाज को नया आकार देने वाली शक्तिशाली एजेंट हैं। वहीं, सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनकी ताकत और आवाज हमारे देश के भविष्य को आकार देती हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं आपके साथ और आपके लिए खड़ा हूं। हर बाधा को तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं जब तक कि हर महिला अपने भाग्य को आकार देने, हर सपने को पाने और ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए स्वतंत्र न हो जाए। महिला दिवस की शुभकामनाएं। वहीं सांसद प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा- देश भर की हमारी सभी बहनों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आजादी की लड़ाई से लेकर देश के निर्माण तक- महिलाओं ने हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है और अपनी शक्तिशाली नेतृत्व क्षमता को साबित भी किया है। आज महिलाओं की भूमिका और भागीदारी को और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है।

ईमानदारी से दे रहे आईटी को जानकारी

30 हजार लोगों के पास है 30 हजार करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। आयकर विभाग के करदाताओं के बीच 'सबसे पहले भरोसा' बनाने के रुख के साथ किये गये प्रयासों का सकारात्मक असर हुआ है। इसके तहत 30,000 से अधिक करदाताओं ने 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी संपत्ति और आय की घोषणा की है। बता दें कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ''स्वैच्छिक आधार पर विदेशी संपत्ति और आय का खुलासा करने वाले करदाताओं की संख्या आकलन वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,31,452 करदाता हो गई है जो आकलन वर्ष 2021-22 में 60,000 थी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने इस अभियान में करदाताओं के बीच 'सबसे पहले भरोसा' बनाने को तरजीह दी। इसके तहत विभाग ने 17 नवंबर, 2024 को एसएमएस और ईमेल भेजना शुरू किया।सूत्रों ने बताया कि विदेशी खातों में अधिक राशि रखने वाले या ब्याज अथवा लाभांश के रूप में अधिक विदेशी आय प्राप्त करने वाले कुल 19,501 करदाताओं से संपर्क किया गया। एसएएमएस और ईमेल के जरिये करदाताओं से अपनी विदेशी संपत्ति और आय को सही ढंग से दर्शाने के लिए अपने आयकर रिटर्न (आईटीआर) को संशोधित करने का अनुरोध किया गया।

जयशंकर की आयरलैंड यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी : विदेश मंत्रालय

एजेंसी। नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की हालिया आयरलैंड यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि आयरलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों, व्यापार और रक्षा (एफएम) मंत्री साइमन हैरिस के निमंत्रण पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 6-7 मार्च तक आयरलैंड की आधिकारिक यात्रा की। आयरलैंड में नई सरकार के गठन के पहले दो महीनों के भीतर हो रही विदेश मंत्री की यात्रा, द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने तथा निरंतर सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को दोनों पक्षों की प्राथमिकता पर बल देती है। बयान में कहा गया है कि यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने आयरलैंड के राष्ट्रपति माइकल डी हिगिंस से मुलाकात की और बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री ने अपने आयरिश समकक्ष उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री साइमन हैरिस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की और द्विपक्षीय सहयोग के पूरे दायरे और आपसी हितों के प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मामलों की समीक्षा की। मंत्रियों ने व्यापार और अर्थव्यवस्था, शिक्षा, गतिशीलता, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित विविध क्षेत्रों में प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उच्च शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और साइबर सुरक्षा, एआई, फिन-टेक और सेमीकंडक्टर सहित नए और उभरते क्षेत्रों में दोनों देशों के व्यवसायों और पेशेवरों के लिए और अधिक अवसर पैदा करने के रास्ते तलाशने पर भी चर्चा की। मंत्रालय के बयान के अनुसार, आयरिश उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने डॉ. जयशंकर को आयरलैंड सरकार की कार्य योजना की एक प्रति भेंट की, जिसका उद्देश्य भारत के साथ आयरलैंड के जुड़ाव को बढ़ाना है।

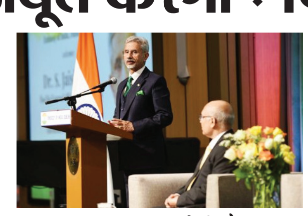

भारत में तेजी से बढ़ रहे अमीर, पांच सालों में 9 फीसदी होने की संभावना

अमेरिका पहले, दूसरे पर चीन और तीसरे पर जापान फिर है भारत का नंबर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में अमीरों की संख्या बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अगले पांच साल में अमीरों की संख्या में 9 फीसदी से ज्यादा हो जाएगी। रिपोर्ट में इसमें भारत के अलावा दूसरे देशों के अमीरों के बारे में भी बताया है। रिपोर्ट बुधवार को जारी हुई। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 10 मिलियन डॉलर यानी करीब 87 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति वाले अमीर लोगों की संख्या में 2028 तक 9.4 फीसदी की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। 2024 में इनकी संख्या 85,698 थी, जो 2028 तक बढ़कर 93,753 हो सकती है। यह भारत के बढ़ते धन-दौलत का संकेत है। साल 2023 में भारत में 80,686 अमीर थे जो साल 2024 में 6 फीसदी बढ़कर 85,698 हो गए। दुनिया भर के कुल अमीर लोगों में से 3.7 फीसदी भारत के हैं। इस मामले में भारत दुनिया में चौथे नंबर पर है। पहले नंबर पर अमेरिका, दूसरे पर चीन और तीसरे पर जापान है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अरबपतियों की संख्या में भी 2024 में पिछले साल के मुकाबले 12 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। अब भारत में 191 अरबपति हैं। इनमें से 26 तो पिछले साल ही इस सूची में शामिल हुए हैं। 2019 में सिर्फ 7 नए अरबपति शामिल हुए थे। भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति करीब 950 अरब डॉलर है। इस मामले में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर अमेरिका 5.7 ट्रिलियन डॉलर और दूसरे पर चीन 1.34 ट्रिलियन डॉलर है। दुनिया भर में अमीरों की संख्या 2024 में 4.4 फीसदी बढ़कर 2,341,378 हो गई, जो साल 2023 में 2,243,300 थी। इस साल की संख्या में उत्तरी अमेरिका सबसे आगे है, लेकिन दुनिया के सभी क्षेत्रों में बढ़ोतरी देखी गई है। एशिया में 5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ दूसरा सबसे बड़ा इजाफा हुआ। इसके बाद अफ्रीका में 4.7 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 3.9, मध्य पूर्व में 2.7, लैटिन अमेरिका में 1.5 और यूरोप में 1.4 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी हुई है। 10 मिलियन डॉलर से ज्यादा संपत्ति वालों में से करीब 39 फीसदी अमेरिका में रहते हैं, जो चीन से दोगुना हैं।

सुबह-सुबह हिली नेपाल की धरती, डर से लोग आए बाहर, कोई हताहत नहीं

काठमांडू। नेपाल में शनिवार सुबह हल्की तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसके बाद लोगा डर के मारे घरों से बाहर आ गए और जान बचाने इधर उधर भागने लगे। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के मुताबिक काठमांडू से करीब 300 किलोमीटर दूर बागलुंग जिले में सुबह 6.20 मिनट पर भूकंप के झटके लगे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.1 बताई जा रही है और इसका केंद्र जिले का खुखानी इलाका था। इससे पहले शनिवार को ही तड़के 3.14 बजे बागलुंग से करीब 40 किलोमीटर दूर म्याग्दी जिले में झटके लगे। केंद्र ने कहा कि रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई इसका केंद्र म्याग्दी जिले का मुरी इलाका था। बता दें नेपाल भूंकप प्रवण वाले क्षेत्रों में आता है। हाल के दिनों में यहां लगातार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

पहले जेलेंस्की को हड़काया अब पुतिन को धमकाने लगे ट्रंप, कहा- तत्काल अमेरिका पहुंचें

वॉशिंगटन। अमेरिका डॉन की तरह काम कर रहा है। जब चाहे जिसे चाहे हड़का देता है और किसी को भी व्हाइट हाउस में तलब कर लेता है। पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को अपने दफ्तर बुलाकर धमकाया रुस को लगा ये बढिया रहा। लेकिन अब रुस को भी अमेरिका ने धमकी भरे अंदाज में व्हाइट हाउस बुलाया है।अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को खुली चेतावनी दे डाली है। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बड़े पैमाने पर प्रतिबंध और टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने रूस और यूक्रेन से तुरंत बातचीत की मेज पर आने के लिए कहा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा, इस तथ्य के आधार पर कि रूस इस समय युद्ध के मैदान में यूक्रेन पर पूरी तरह से पिटाई कर रहा है, मैं रूस पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग प्रतिबंध, और टैरिफ लगाने पर गंभीरता से विचार कर रहा हूं, जब तक कि युद्ध विराम और शांति पर अंतिम समझौता नहीं हो जाता। ट्रंप ने आगे लिखा, रूस और यूक्रेन, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, अभी बातचीत की मेज पर आ जाइए।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है: विजेंद्र गुप्ता

खरी कसौटी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित बिजनेस कॉनक्लेव में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि हम आज एक ऐसे भारत की बात करने के लिए एकत्र हुए हैं जो अवसरों की धरती होने के साथ-साथ सेंटर ऑफ इन्वेंशन है और विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तत्पर है। भारत सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है। गुप्ता ने कहा कि बिजनेस कॉन्क्लेव श्रीराम कॉलेज का प्रतिष्ठित वार्षिक प्रबंधन उत्सव है। यह एशिया के सबसे बड़े स्नातक प्रबंधन उत्सवों में से एक माना जाता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में हर क्षेत्र में अरबों डॉलर के अवसर मौजूद हैं। हमारे पास 1.4 अरब लोगों की विशाल जनसंख्या है। हर व्यापार के लिए ग्राहक पहले से मौजूद हैं। यही कारण है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। भारत आज एआई अपनाने में अग्रणी है, जहां 80 प्रतिशत कंपनियां इसे अपनी प्राथमिक रणनीति के रूप में देख रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हर दिन 50 स्टार्टअप्स भारत में पंजीकृत हुए हैं। हर महीने एक नया यूनिकॉर्न स्टार्टअप जन्म ले रहा है। विकास में महिलाओं के योगदान की चर्चा करते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत की प्रगति केवल आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। बल्कि महिला सशक्तीकरण में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत अब महिला विकास से महिला-नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ रहा है। विजेंद्र गुप्ता ने भारत की एआई क्रांति की बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पहली बार एआई इकोसिस्टम को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने जीपीयू मार्केटप्लेस खोलकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह दुनिया का पहला ऐसा सरकारी प्रयास है, जिससे छोटे स्टार्टअप, शोधकर्ता और विद्यार्थी उच्च स्तरीय एआई संसाधनों तक आसानी से पहुंच बना सकते हैं। जबकि अन्य देशों में एआई का बाज़ार केवल बड़ी टेक कंपनियों तक सीमित है, भारत में इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जा रहा है। गुप्ता ने कहा कि पूंजी बाजार की बढ़ती संभावनाएं और घरेलू सूचीबद्धता के लाभ स्टार्टअप्स को भारत वापस आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति भारत को एक वैश्विक स्टार्टअप हब बनाने में मदद करेगी और यह साबित करती है कि देश का व्यापारिक माहौल अब पहले से कहीं अधिक अनुकूल हो चुका है उन्होंने कहा कि आज भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। यह तकनीक और नवाचार में अग्रणी है। यह महिलाओं के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। यह भारत के विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ने का समय है। भारत पर विश्वास करें क्योंकि भारत का भविष्य उज्जवल है।

दिल्ली की महिलाओं को बधाई, मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी : चुघ

खरी कसौटी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने दिल्ली में महिला समृद्धि योजना शुरू होने पर महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने इस योजना को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का एक और प्रमाण बताया, जिसमें महिला सशक्तीकरण सिर्फ नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता है। चुघ ने महिला समृद्धि योजना के शुभारंभ के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनकी पूरी कैबिनेट को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने फिर से यह सिद्ध कर दिया कि वह जनता से किए गए हर संकल्प को पूरा करती है। दिल्ली में मीडिया से बातचीत में तरुण चुघ ने कहा कि जहां मोदी सरकार दिल्ली की महिलाओं को आर्थिक सहायता दे रही है, वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने सिर्फ माताओं और बहनों को ठगने का काम किया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए चुघ ने याद दिलाया कि 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले आआपा ने पंजाब की हर महिला को 1000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था। आज 36 महीने बीत चुके हैं, लेकिन महिलाओं को एक भी रुपया नहीं मिला। मान और केजरीवाल लगातार झूठ बोलकर माताओं-बहनों को गुमराह कर रहे हैं। चुघ ने भगवंत मान सरकार पर प्रचार एवं धोखे से सरकार चलाने का आरोप लगाया और कहा कि यह सरकार सिर्फ विज्ञापनों पर सैकड़ों करोड़ खर्च कर सकती है, लेकिन पंजाब की महिलाओं को सम्मान और आर्थिक सहायता देने के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने इसे आआपा सरकार की शर्मनाक विफलता बताया। दिल्ली और पंजाब की सरकारों की तुलना करते हुए चुघ ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार ने महिला समृद्धि योजना महिलाओं को लागू कर दिया हैं, वहीं पंजाब की महिलाओं को आआपा सरकार से सिर्फ धोखा, झूठे वादे और बिगड़ती कानून व्यवस्था ही मिली है।

योगी आदित्यनाथ ने की जेपी नड्डा से मुलाकात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नई दिल्ली में भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने जेपी नड्डा को महाकुंभ पर एक किताब भेंट की। मुलाकात के बाद जेपी नड्डा ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि आज दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट हुई। हाल ही में तीर्थराज प्रयागराज में संपन्न हुए ऐतिहासिक महाकुंभ के सफल समापन पर उन्हें बधाई दी। वहीं, योगी आदित्यनाथ ने जेपी नड्डा का आभार जताया।

भारत की मातृशक्ति प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है : पुष्कर सिंह धामी

खरी कसौटी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित डायरेक्ट सेलिंग महिला उद्यमिता समिट में कहा कि आज भारत की मातृशक्ति प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सेना, राजनीति, खेल, विज्ञान, कृषि, शिक्षा, उद्योग जैसे अनेक क्षेत्रों में मातृशक्ति द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश की मातृशक्ति के उत्थान एवं सशक्तीकरण के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले लगभग 11 वर्षों में देशभर में 30 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन के बैंक खाते खोले गए। देश में लखपति दीदी योजना के माध्यम से एक करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प पूरा करने के साथ ही 30 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुद्रा योजना के अंतर्गत लोन देकर सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। महिला सशक्तीकरण के लिए देश की संसद ने लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण देने का कानून पास किया है। धामी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भी महिला सशक्तीकरण के लिए हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किये जा रहे हैं। सरकारी नौकरियों में राज्य की बेटियों को 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण देकर हर विभाग में उनका उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है। लखपति दीदी योजना के अंतर्गत उत्तराखंड एक लाख से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। राज्य सरकार द्वारा 'सशक्त बहना उत्सव योजना' और 'मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तीकरण योजना' जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

केवीआईसी ने छह राज्यों में 2,050 मधुमक्खी बाक्स और शहद कालोनियां वितरित कीं

खरी कसौटी

नई दिल्ली। 'नए भारत के लिए नई खादी' आंदोलन को मजबूत करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने दिल्ली में स्थित केवीआईसी के राजघाट कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये छह राज्यों में 205 मधुमक्खी पालकों को 2,050 मधुमक्खी बाक्स, हनी कॉलोनियां और टूलकिट वितरित किए। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि मनोज कुमार ने वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि गांवों में 'मीठी क्रांति' फैलाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी कालोनियों और मधुमक्खी बाक्सों को वितरित करने के लिए 'हनी मिशन' शुरू किया गया है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने बताया कि महाकुंभ के दौरान 14 से 27 फरवरी, 2025 तक प्रयागराज में एक राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'खादी क्रांति' के परिणामस्वरूप, प्रदर्शनी में 12.02 करोड़ रुपये मूल्य के खादी उत्पादों की ऐतिहासिक बिक्री दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में 98 खादी स्टॉल और 54 ग्रामोद्योग स्टॉल लगाये गए थे, जिनमें सामूहिक रूप से खादी में 9.76 करोड़ रुपये और ग्रामोद्योग उत्पादों में 2.26 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई।

एबीवीपी की तीन दिवसीय पूर्वोत्तर-जनजातीय छात्र संसद रविवार से दिल्ली में होगी शुरू

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी होंगी शामिल

खरी कसौटी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तीन दिवसीय छात्र संसद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) कन्वेंशन सेंटर में होगी। नौ से 11 मार्च तक चलनी वाली छात्र संसद में देशभर के छात्र प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं और समाजसेवी शामिल होंगे। इसमें केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके और सर्बानंद सोनोवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने शनिवार को कहा कि यह तीन दिवसीय छात्र संसद केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि युवाओं की आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन छात्रों को सामाजिक समस्याओं को समझने, समाधान सुझाने और राष्ट्रनिर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर देगा। उन्होंने ताया कि नौ मार्च को छात्र संसद में देशभर के वनवासी क्षेत्रों के छात्र भाग लेंगे। इस संसद में जनजातीय समुदायों की शिक्षा, उनके सांस्कृतिक संरक्षण, सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता और रोजगार के अवसरों पर गहन मंथन किया जाएगा। इसमें देशभर की 124 से अधिक भिन्न जनजातियों का प्रतिनिधित्व रहेगा। जिसमें 300 से अधिक जनजातीय समाज के छात्र भाग लेंगे। इस अवसर पर जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गा दास उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और जनजातीय क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के निराकरण एवम केंद्र की प्रभावशाली नीतियों के विषय में अपने विचार साझा करेंगे। वहीं 10 मार्च को छात्रा संसद में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, भारतीय चिंतन में महिला की भूमिका तथा विकसित भारत 2047 में महिलाओं की सहभागिता जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। इस संसद में देश के सभी राज्यों से 250 से अधिक छात्राओं की उपस्थिति रहेगी, जिसमें छात्र संघ पदाधिकारी, एनएसएस, एनसीसी और अन्य प्रतिभाशाली छात्राओं की भागीदारी होगी। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर मुख्य अतिथि होंगी। वह महिलाओं की सामाजिक और राष्ट्रीय भूमिका पर अपने विचार रखेंगी। पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद 11 मार्च को आयोजित होगी। पूर्वोत्तर भारत और शेष भारत के बीच राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करने तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए एबीवीपी अंतर राज्यीय छात्र जीवन दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से एक राष्ट्र, एक जन, एक संस्कृति और भारत मेरा घर है के विचार के साथ लंबे समय से कार्यरत है।

भाजपा का राहुल पर तंज, कहा- कांग्रेस ही कर सकती है अपने नेताओं का अपमान

खरी कसौटी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात कांग्रेस के नेताओं पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर तंज कसा है। भाजपा ने कहा कि अपने नेताओं का सार्वजनिक रूप से अपमान कांग्रेस ही कर सकती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मीडिया को गाली देते-देते अब अपनी पार्टी के नेताओं को ही गाली देना शुरू कर दिया है। ये राहुल की बिगड़ती मनःस्थिति का नतीजा है। भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि जब से राहुल और सोनिया के नेतृत्व में कांग्रेस आई है तभी से गुजरात के अंदर कांग्रेस की बुरी स्थिति हो गई है। राहुल वामपंथियों और नक्सलियों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाई, लेकिन आज तक कांग्रेस का कोई नेता देखने नहीं गया है। राहुल गांधी ने अहमदाबाद में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जो लोग पार्टी की विचारधारा के खिलाफ काम कर रहे हैं उन पर सख्त कार्रवाई करनी होगी। कांग्रेस में दो तरह के लोग हैं एक वे जो पार्टी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध हैं और जनता के लिए काम कर रहे हैं और दूसरे वे जो भाजपा से मिले हुए हैं। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के बजट में अल्पसंख्यकों के लिए की गई घोषणाओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता पर अब मुस्लिम लीग का प्रभाव आ गया है। कर्नाटक सरकार के बजट ने यह दिखा दिया है कि कांग्रेस सरकार मुस्लिमों को पहला हक देती है और दूसरे समुदायों को दोयम दर्जे का नागरिक मानती है। कांग्रेस का गठबंधन केरल में मुस्लिम लीग से है। अब कांग्रेस भी मुस्लिम लीग की राह पर चलती जा रही है।

महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार : ओम बिरला

खरी कसौटी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कहा कि महिला सशक्तीकरण भारत की विकास यात्रा का आधार है। आज महिलाएं न केवल विकास में भागीदार हैं, बल्कि वे आगे बढ़कर शासन, विज्ञान, रक्षा, शिक्षा और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। बिरला ने संसद परिसर में हम भारत की महिलाएं प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक नए युग का साक्षी बन रहा है, जहां महिलाएं जमीनी स्तर के लोकतंत्र से लेकर सत्ता के सर्वोच्च पदों तक प्रत्येक स्तर पर नेतृत्व कर रही हैं। आज जब राष्ट्र भारत का संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, ऐसे में संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान को मान्यता देना आवश्यक है, जिन्होंने अपनी दूरदर्शिता और निष्ठा से भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के निर्माण में सहायता की। महिलाओं को पूजनीय माने जाने की भारत की प्राचीन परंपरा का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि मातृत्व, शक्ति, त्याग और वात्सल्य हमारे सामाजिक मूल्यों का अभिन्न भाग हैं । बिरला ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि महिलाएं अत्यधिक चुनौतीपूर्ण और जटिल कार्य दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ कर रही हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना करते हुए बताया कि महिलाएं अब फाइटर जेट उड़ा रही हैं, युद्धक्षेत्र से जुड़ी भूमिकाओं में अपनी सेवाएं दे रही हैं और नौसेना अभियानों की कमान संभाल रही हैं। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष मिशन, रक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, खेल आदि में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला, जहां महिला वैज्ञानिकों ने भारत की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शासन में महिलाओं का नेतृत्व पहले से कहीं अधिक मजबूत है और ग्रामीण स्थानीय निकायों में अधिकांश निर्वाचित प्रतिनिधि महिलाएं हैं। यह देश में महिलाओं के नेतृत्व में विकास का प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक दिन आएगा जब महिलाएं बिना किसी आरक्षण के भी, केवल योग्यता और क्षमता के आधार पर निर्वाचित निकायों में बहुमत हासिल करेंगी। ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में बात करते हुए बिरला ने इसे भारत के लोकतांत्रिक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी कदम बताया। नए संसद भवन में पारित पहले कानून के रूप में, यह अधिनियम महिला-पुरुष समानता के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है और यह सुनिश्चित करता है कि उच्चतम स्तरों पर नीतियां तैयार करने और निर्णय लेने में महिलाओं की अधिक भूमिका हो। उन्होंने इसे समावेशी लोकतंत्र की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, क्योंकि इससे महिला नेता सशक्त होंगी और विधायी निकायों में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। महिलाओं के आर्थिक योगदान का उल्लेख करते हुए बिरला ने उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म उद्यमों में उनकी भूमिका की सराहना की और कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में बदलाव आ रहे हैं और अनगिनत परिवारों को वित्तीय स्वतंत्रता मिल रही है। उन्होंने नीति निर्माताओं और हितधारकों से महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के साथ सहयोग करने और उनका प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया, ताकि उनकी वैश्विक बाजारों तक पहुंच हो और उन्हें विस्तार के अवसर मिलें। उन्होंने 100 प्रतिशत महिला साक्षरता के लक्ष्य को दोहराते हुए इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा महिला सशक्तीकरण का आधार है। शिक्षा और समान अवसरों तक पहुंच के बिना विशेषकर सबसे दूर-दराज के स्थानों और वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए सच्चे मायने में समानता हासिल नहीं की जा सकती।

एबी-पीएमजेएवाई लाभों तक पहुंचने के लिए ई-श्रम पोर्टल से जुड़ें प्लेटफॉर्म श्रमिक

खरी कसौटी

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय ने शनिवार को प्लेटफॉर्म श्रमिकों से ई-श्रम पोर्टल पर स्वयं पंजीकरण कराने का आग्रह किया है, ताकि उन्हें जल्द से जल्द औपचारिक मान्यता और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत लाभ देने पर विचार किया जा सके। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, जिससे राइडशेयरिंग, डिलीवरी, लॉजिस्टिक्स और पेशेवर सेवाओं जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियां पैदा हो रही हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में 1 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों को रोज़गार देगी, जो 2029-30 तक 2.35 करोड़ तक पहुंच जाएगी। देश की अर्थव्यवस्था में गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के योगदान को स्वीकार करते हुए केंद्रीय बजट 2025-26 की घोषणा में (i) ई-श्रम पोर्टल पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म श्रमिकों का पंजीकरण, (ii) पहचान पत्र जारी करना, और (iii) आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य देखभाल कवरेज के प्रावधान हैं। श्रम मंत्रालय के मुताबिक एबी-पीएमजेएवाई स्वास्थ्य योजना भारत में 31,000 से अधिक सार्वजनिक और निजी पैनलबद्ध अस्पतालों में द्वितीयक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये का कवर प्रदान करती है। इन बजट प्रावधानों के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय शीघ्र ही योजना शुरू करने जा रहा है। पहले कदम के रूप में मंत्रालय प्लेटफॉर्म श्रमिकों से अनुरोध करता है कि वे ई-श्रम पोर्टल पर स्वयं पंजीकरण कराएं, ताकि उन्हें जल्द से जल्द योजना के अंतर्गत लाभ दिए जाने पर विचार किया जा सके। मंत्रालय ने कहा कि प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स को अपने साथ जुड़े प्लेटफॉर्म श्रमिकों के बीच भी इस जानकारी का प्रचार करना है और उनको ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराने में सहायता प्रदान करना है। प्लेटफॉर्म श्रमिक इस मंत्रालय के ई-श्रम पोर्टल पर जाकर प्राथमिकता के आधार पर अपना पंजीकरण पूरा कर सकते हैं।

इतिहास के पन्नों में 09 मार्च

अंतरिक्ष जाने वाले पहले इंसान यूरी गागरिन

9 मार्च 1934 को जन्मे सोवियत संघ के अंतरिक्ष यात्री यूरी गागरिन 12 अप्रैल, 1961 को अंतरिक्ष जाने वाले पहले मानव बने। उन्होंने Vostok 1 नामक अन्तरिक्ष यान में अपनी यात्रा की थी। यह अंतरिक्ष की लड़ाई में अमेरिका पर सोवियत संघ की जीत थी। इस कामयाबी के बाद गागरिन अंतरराष्ट्रीय हीरो बन चुके थे। उन्हें कई तरह के पदक और खिताबों से सम्मानित किया गया था। उनमें से एक था -हीरो ऑफ़ द सोवियत यूनियन। यूरी गगारिन पदक उनके सम्मान में प्रदान किया जाता है। 27 मार्च 1968 को मिग 15 नामक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 34 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

अन्य अहम घटनाएं

- 1822 - चार्ल्स एग ग्राहम ने पहली बार नकली दांतों का पेटेंट कराया था।
- 1916 - जर्मनी ने पुर्तगाल के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।
- 1948 - एयर इंडिया इंटरनेशनल की स्थापना।
- 1959 - दुनियाभर में बच्चियों की पसंदीदा बार्बी डॉल को न्यूयार्क में अमेरिकन टॉय फेयर में पहली बार पेश किया गया।
- 1986 - सेटेलाइट आधारित पहला टेलीफोन संपर्क नेटवर्क औपचारिक रूप से शुरू किया गया।
- 1999 - ब्रिटिश उद्योगपति स्वराज पाल को सेंट्रल बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गयी
- फ़्रांसिस्को फ़्लोरेस अल सल्वाडोर (द. अमेरिका) के राष्ट्रपति चुने गये।
- 2003 - पेरू के पूर्व राष्ट्रपति अलवर्टो फूजीमोरी के ख़िलाफ़ इंटरपोल ने गिरफ़्तारी का वारंट जारी किया।
- 2004 - पाकिस्तान ने 2000 किमी. की मारक क्षमता वाले सतह तक मार करने वाले 'शाहीन-2' (हत्फ-6) प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।
- 2005 - थाक्सिन शिनवात्रा दूसरे कार्यकाल के लिए थाइलैंड के प्रधानमंत्री चुने गये।
- 2007 - ब्रिटेन में भारतीय डॉक्टरों को भेदभाव वाले प्रवासी नियमों पर क़ानूनी कामयाबी मिली।
- 2008 - गोवा के राज्यपाल एस.सी.जमीर ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।
- मलेशिया में हुए संसदीय चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अहमद बदावी पराजित।
- 2009 - तमिलनाडु ने पश्चिम बंगाल को 66 रनों से पराजित कर विजय हरारे ट्राफी जीती।
- 2018 - बिप्लब कुमार देब ने भारतीय राज्य त्रिपुरा के दसवें मुख्यमन्त्री के रूप में शपथ ली।
- 2020 - भारत में कोरोना से संक्रमितों की संख्या 43 पहुंची। दुनियाभर में हाहाकार। विश्व भर में कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 110,000 से ज्यादा।

जन्म

- 1915 - डॉ. नगेन्द्र- भारत के प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार।
- 1930 - सोली जहांगीर सोराबजी- प्रख्यात भारतीय विधिवेत्ता और भारत के पूर्व महान्यायवादी हैं।
- 1931 - कर्ण सिंह- भारतीय राजनेता और लेखक।
- 1934 - यूरी गागरीन- भूतपूर्व सोवियत संघ के विमान चालक और अंतरिक्षयात्री।
- 1938 - हरिकृष्ण देवसरे- प्रसिद्ध बाल साहित्यकार एवं संपादक।
- 1951 - उस्ताद ज़ाकिर हुसैन- मशहूर तबला वादक।
- 1956 - शशि थरूर- कांग्रेस सांसद व लेखक।
- 1985 - पार्थिव पटेल- भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी।
- 1996 - दरशील सफ़ारी- भारतीय बाल कलाकार।

निधन

- 2023 - सतीश कौशिक - मशहूर अभिनेता, निर्माता, निर्देशक, कॉमेडियन और पटकथा लेखक थे।
- 1941 - जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन - प्रसिद्ध इतिहासकार, अंग्रेज़ी साहित्यकार तथा अन्वेषक।
- 1968 - हरिशंकर शर्मा - भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, लेखक, व्यंग्यकार और पत्रकार।
- 1969 - हारमसजी पेरोशा मोदी- टाटा समूह और भारत के एक प्रशासक के साथ जुड़े प्रख्यात पारसी व्यापारी थे।
- 1971 - के. आसिफ़- प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता-निर्देशक।
- 1994 - देविका रानी- भारतीय अभिनेत्री।
- 2012 - जॉय मुखर्जी - हिन्दी फ़िल्मों के मशहूर अभिनेता और निर्माता निर्देशक।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने विशेष साइकिल रैली में लिया हिस्सा

खरी कसौटी

नई दिल्ली। तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष साइकिल रैली का आयोजन किया गया। साइकिल रैली में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, विभिन्न राज्यों के खेल मंत्री, खिलाड़ी और खेल प्रशासक शामिल हुए। रैली को हरी झंडी दिखाते हुए डॉ. मांडविया ने कहा, "यह साइकिल रैली हमारी नारी शक्ति को समर्पित है, जो खेल और अन्य क्षेत्रों में अपने संकल्प, नेतृत्व और उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रही हैं।" चिंतन शिविर के मौके पर आयोजित राज्य मंत्रियों और प्रमुख हितधारकों की एक राष्ट्रीय बैठक में 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी और 2036 ग्रीष्मकालीन खेलों की मेजबानी की बोली पर चर्चा की गई। इस अवसर पर हुई साइकिल रैली में एक कल्याण और आध्यात्मिक केंद्र कान्हा शांति वनम के सदस्यों की तरफ से गहरी दिलचस्पी देखने को मिली। महिला दिवस के खास मौके पर डॉ. मांडविया, खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी और पूर्व ओलंपियन एवं बैडमिंटन स्टार पुलेला गोपीचंद ने अन्य प्रमुख खिलाड़ियों के साथ मिलकर 'अस्मिता' न्यूज़लेटर लॉन्च किया। यह न्यूजलेटर 2021 में शुरू किए गए 'स्पोर्ट्स फॉर विमेन' मिशन की उपलब्धियों को दर्शाता है। न्यूजलेटर अस्मिता लीग की अद्भुत पहुंच पर भी प्रकाश डालता है और यह बताता है कि वे कैसे उन युवा महिलाओं के जीवन को बदल रहे हैं जो खेल को करियर के रूप में अपनाने की आकांक्षा रखती हैं।

पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन और कोच पुलेला गोपीचंद, जिन्होंने साइना नेहवाल और पीवी सिंधु जैसी ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है, ने कहा, "यह सच है कि भारत के लिए महिलाओं ने ज्यादा ओलंपिक पदक जीते हैं, इसलिए उन्हें और अधिक प्रोत्साहन मिलना चाहिए। अस्मिता एक शानदार मंच है। जब डॉ. मांडविया के साथ 15 खेल मंत्री खेल के भविष्य और ओलंपिक सपने पर चर्चा करने के लिए एकत्र होते हैं, तो यह एक बड़ी पहल बन जाती है। बस जरूरत है कि सही नीतियां बनाई जाएं और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।" साइकिल रैली की अगुवाई असम की खेल मंत्री नंदिता गोरलोसा, गोपिचंद बैडमिंटन अकादमी की महिला प्रशिक्षुओं और 2024 पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक विजेता दीप्ति जीवनजी ने की। डॉ. मनसुख मांडविया ने भी इस साइकिल रैली में हिस्सा लिया और स्वस्थ जीवनशैली के लिए साइकिलिंग को नियमित आदत बनाने की जरूरत पर जोर दिया। 'संडे ऑन साइकिल' अभियान, जिसे केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मांडविया बढ़ावा दे रहे हैं, पूरे देश में लोकप्रिय हो रहा है और लोगों को इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

उन्होंने कहा, "साइकिलिंग को फैशन बनाना चाहिए और इसे मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से लड़ने का एक जरिया बनाया जाना चाहिए। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' को मजबूत करने के लिए हर रविवार कम से कम एक घंटा फिटनेस को समर्पित करें।" कान्हा शांति वनम में आयोजित इस रैली में प्रतिभागियों ने पीले रंग की पोशाकों में सुबह की ठंडी हवा का आनंद लेते हुए 3 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते पर साइकिल चलाई। इस अनोखी साइकिल रैली और 'अस्मिता' न्यूजलेटर के शुभारंभ ने महिला खिलाड़ियों के समर्थन और खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम जोड़ दिया है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

कौन हैं एलिना मिश्रा और शिल्पी सोनी, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने सौंपे अपने सोशल मीडिया अकाउंट

खरी कसौटी

नई दिल्ली, चेन्नई। आज पूरी दुनिया में महिला दिवस मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री मोदी ने नारी शक्ति को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के प्रबंधन की जिम्मेदारी परमाणु वैज्ञानिक एलिना मिश्रा और अंतरिक्ष वैज्ञानिक शिल्पी सोनी को सौंपी है।

कौन हैं एलिना मिश्रा और शिल्पी सोनी : दोनों महिला वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, परमाणु प्रौद्योगिकी और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वे महिला दिवस पर प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया अकाउंट का प्रबंधन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि भारत में अधिकाधिक महिलाएं विज्ञान की ओर आएं। यह अकल्पनीय है कि परमाणु प्रौद्योगिकी जैसा क्षेत्र भारत में महिलाओं को इतने अवसर प्रदान करेगा। इसी प्रकार, अंतरिक्ष जगत में महिलाओं और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी भारत को नवाचार और विकास के लिए एक बहुत ही आकर्षक स्थान बनाती है। उन्होंने लिखा कि भारतीय महिलाओं में निश्चित रूप से प्रतिभा है और भारत के पास निश्चित रूप से सही मंच है।

पंजाब से फरार पास्टर नेपाल के धार्मिक सभा में दिखा, लुकआउट नोटिस जारी

खरी कसौटी

नई दिल्ली, काठमांडू । पंजाब में यौन दुराचार के मामले में अदालत से गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद फरार चल रहा ईसाई पास्टर बजिंदर सिंह नेपाल में ईसाई मिशनरी के आयोजित धार्मिक सभा में खुलेआम सहभागी करते दिखा है। नेपाल पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग ने इसकी पुष्टि की है। उत्तराखंड सीमा से सटे नेपाल के कैलाली जिले के टीकापुर में 5 और 6 मार्च को आयोजित ईसाई मिशनरियों के कार्यक्रम में भाषण देने वाला 42 वर्षीय पास्टर बजींदर सिंह के भारत से फरार आरोपित होने की जानकारी मिली है। बजींदर सिंह पर पंजाब के मोहाली जिले से गैर जमानती वारंट जारी होने की जानकारी दी गई है। पंजाब पुलिस की तरफ से नेपाल पुलिस को भेजे गए पत्र के मुताबिक पास्टर बजिंदर सिंह पर पंजाब की एक महिला ने 28 फरवरी को अश्लील बात एप मैसेज भेजने और अपने साथ यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। पंजाब पुलिस ने अपने पत्र में लिखा है कि इस घटना की जांच के लिए मोहाली पुलिस ने तीन सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया है। बजींदर सिंह को इसी विशेष टीम के समक्ष जिस दिन पेश होना था, उसी दिन वह वाहन से फरार हो गया। पंजाब पुलिस के भेजे गए पत्र के बाद नेपाल पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग के पता लगाए जाने पर बजिंदर के सुदूर पश्चिम प्रदेश के जिला कैलाली के टीकापुर में धार्मिक कार्यक्रम में भाषण करता हुआ दिखा है। काठमांडू पुलिस प्रमुख टेक बहादुर तमांग ने बताया कि आरोपित पास्टर को कैलाली जिले में हुए ईसाइयों के धार्मिक कार्यक्रम में सहभागी होने का वीडियो फेसबुक पर मिलने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए लुकआउट नोटिस जारी कर दिया गया है।

दिल्ली के विधायकों के लिए 18-19 मार्च को ओरिएंटेशन कार्यक्रम, लोकसभा अध्यक्ष करेंगे उद्घाटन

खरी कसौटी

नई दिल्ली। दिल्ली के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम को अब 18 एवं 19 मार्च को पुनर्निर्धारित किया गया है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। यह कार्यक्रम नवनिर्वाचित विधायकों के लिए एक महत्वपूर्ण सीखने का अवसर होगा। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर उन्हें इस कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया था। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य विधायकों को विधायी प्रक्रियाओं, संसदीय आचरण और शासन प्रणाली की जानकारी देना है। इंटरैक्टिव सत्रों, विशेषज्ञ चर्चाओं और ज्ञान-विनिमय मंचों के माध्यम से यह कार्यक्रम विधायकों को उनके दायित्वों और जिम्मेदारियों की बेहतर समझ प्रदान करेगा, जिससे वे विधानसभा में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। इस पहल के बारे में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधायकों को उनकी जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम नवनिर्वाचित विधायकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जिससे वे विधानसभा में प्रभावी रूप से कार्य कर सकें। यह उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, विधायी मसौदे और सार्थक बहसों के महत्व को समझने में मदद करेगा।

मारुति सुज़ुकी ने वाहन ऋण के लिए हीरो फिनकॉर्प से किया समझौता

खरी कसौटी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने शनिवार को हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी में मारुति सुजुकी इंडिया के व्यापक नेटवर्क और हीरो फिनकॉर्प के नए और पुराने कार लोन के लिए अनुकूलित वित्तीय समाधानों का लाभ उठाया जाएगा।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस एमओयू को दोनों कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में औपचारिक रूप दिया गया, जिनमें मारुति सुजुकी इंडिया की ओर से मार्केटिंग और बिक्री के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थो बनर्जी, एलाइड बिजनेस के उपाध्यक्ष कमल महत्ता, मारुति सुजुकी फाइनेंस एंड ड्राइविंग स्कूल के महाप्रबंधक विशाल शर्मा, हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ अभिमन्यु मुंजाल तथा दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एमएसआईएल ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य मारुति सुजुकी के विशाल डीलरशिप नेटवर्क और हीरो फिनकॉर्प के अनुकूलित वित्तीय समाधानों का लाभ उठाना है, ताकि कार स्वामित्व को और अधिक सुलभ बनाया जा सके।

वहीं, हीरो फिनकॉर्प का प्रतिनिधित्व एमडी एवं सीईओ अभिमन्यु मुंजाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी कर रहे थे। कंपनी के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, "हीरो फिनकॉर्प के साथ सहयोग करने से हम अभिनव, पारदर्शी और आकर्षक वित्तपोषण समाधान दे सकेंगे, जो कार लोन के लिए ग्राहकों की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करेगा।"

लापता दो नाबालिगों को पुलिस ने परिजनों से मिलवाया

खरी कसौटी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिले की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 13 एवं 17 वर्षीय दो गुमशुदा नाबालिगों को खोज कर उनके परिवार से मिलवाया।

दक्षिण पश्चिमी जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने शनिवार को बताया कि पांच मार्च को केशवपुरम थाने में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के अपहरण की शिकायत मिली। इसके बाद पांच मार्च को स्वरूप नगर थाने में 13 वर्षीय लड़की के अपहरण की शिकायत मिली। दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू किया गया लेकिन स्थानीय पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा। एएचटीयू ने मामले की सूचना मिलते ही बच्चियों के परिजनों से संपर्क कर सारी जानकारी जुटाई। बच्चियों के मोबाइल नंबर बंद आए। इसके बाद एएचटीयू को सीसीटीवी फुटेज व तकनीकि टीम की मदद से एक बच्ची के केशवपुरम इलाके में मौजूद होने की सूचना मिली और उसे पुलिस ने खोजकर परिवार से मिलवाया। दूसरी नाबालिग की तलाश में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई तो लड़की ट्रेन से रतलाम, महाराष्ट्र जाती दिखी। तकनीकि टीम की मदद से पता चला कि लड़की अपना व्हाट्सऐप इस्तेमाल कर रही थी। इस के आधार पर तकनीकि विशेषज्ञों की मदद से उसे रतलाम से बरामद कर लिया गया।

कैट और एडीएसआई मिलकर एक वर्ष में पांच लाख महिलाओं को बनाएंगे सशक्त

कैट ने एडीएसआई के साथ मिलकर राष्ट्रीय महिला उद्यमी सम्मेलन का किया आयोजन

खरी कसौटी

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव और भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी संगठन कैट अपने सलाहकार और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के मार्गदर्शन में देशभर में एडीएसईआई और अन्य व्यापार निकायों के साथ मिलकर अगले एक साल में पांच लाख महिला उद्यमियों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाएगा। खंडेलवाल ने कैट और एसोसिएशन ऑफ डायरेक्ट सेलिंग एंटिटीज ऑफ इंडिया (एडीएसआई) के सहयोग से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयाजित राष्ट्रीय महिला उद्यमी सम्मेलन के दौरान यह घोषणा की।

इस सम्मेलन में 10,000 से अधिक महिला उद्यमियों ने भाग लिया, जिनमें से अधिकांश साधारण परिवारों से थीं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया। राष्ट्रीय महिला उद्यमी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कैट और एडीएसआई द्वारा महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय महिला उद्यमी सम्मेलन कैट और एडीएसआई का सरकार की महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो भारत में महिला व्यापारियों और उद्यमियों के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत की आर्थिक प्रगति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और उन पुरुषों की भी सराहना की जो महिलाओं के वित्तीय सशक्तीकरण, सामाजिक सम्मान और एक सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण के निर्माण में योगदान दे रहे हैं। कैट महासचिव खंडेलवाल ने कहा कि इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित इस सम्मेलन में डायरेक्ट सेलिंग इंडस्ट्री की 10,000 से अधिक महिला उद्यमियों की उत्साही भागीदारी भारत में महिला नेतृत्व वाले आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए खंडेलवाल ने दोहराया कि प्रधानमंत्री मोदी का महिलाओं के नेतृत्व में विकास का दृष्टिकोण एक प्रगतिशील और समावेशी भारत की दिशा में अग्रसर है। उनके नेतृत्व में भारत ने लैंगिक समानता, आर्थिक सशक्तीकरण और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी है, जिससे महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में सशक्त भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है।

नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद

कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। इन सबके सबक क्या हैं? प्रादेशिक स्वायत्तता की उपेक्षा संबंधी दक्षिणी राज्यों की कई शिकायतों में दम है, मगर जिस तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन इससे जुड़े सवालों को लेकर माहौल गरमा रहे हैं, उससे उनके इरादे पर शक होना लाजिमी है। स्टालिन लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन से जुड़ी आशंकाओं, नई शिक्षा नीति संबंधी विवाद, और हिंदी थोपने की कथित शिकायत को रोज़ाना के स्तर पर उठा रहे हैं। इस क्रम में वे अपने राज्य के लोगों को तुरंत अधिक बच्चे पैदा करने की प्रतिगामी सलाह देने की हद तक चले गए हैं। जाहिरा तौर पर केंद्र की कई नीतियों से गहराई शिकायतों में स्टालिन ने अपनी पार्टी डीएमके के लिए अवसर देखा है। संकेत साफ हैं कि साल भर बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में वे इन्हीं भावनात्मक मुद्दों को लेकर अभियान चलाएंगे। इस क्रम में खासकर भाषा विवाद में निहित खतरों की वे पूरी उपेक्षा कर रहे हैं। उनका अभियान हिंदी के खिलाफ है- जिसमें उन्होंने हिंदी बोलियों को खा गई जैसा तथ्यहीन दावा भी किया है। (ष्ट्र ह्यह्लड्डह्यद्गद्ध) बहरहाल, ऐसे मुद्दे कैसे हालात पैदा कर रहे हैं, इस पर भी उन्हें जरूर ध्यान देना चाहिए।कुछ ही समय पहले कर्नाटक में एक पुस्तक मेले के दौरान तमिल किताबों की बिक्री को लेकर विरोध जताया गया था। उधर हाल ही में एक बस में कन्नड़ और मराठी बोलने को लेकर हिंसा तक हुई। सबक क्या है? स्पष्टतः यही कि पहचान एवं भावनाओं की राजनीति ने देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे मसलों को लेकर भड़काऊ माहौल बना रखा है। इसकी बड़ी जिम्मेदारी राजनेताओं और राजनीतिक दलों पर जाती है, जिन्हें ऐसे मुद्दों में वोट पाने का आसान रास्ता दिखता है। चूंकि आर्थिक और विकास नीतियों के मामलों में तमाम दलों ने समान रास्ता चुना हुआ है, वैसे में अपनी अलग प्रासंगिकता दिखाने का उन्हें यही सरल उपाय नजर आता है। लेकिन जन हित और राष्ट्र के व्यापक हित के नजरिए से यह खतरनाक खेल है।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता नामंजूर

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्रशर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी कोइस आधार पर आरोप-मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड संहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर-मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। सर्वोच्च न्यायालय के इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, ईसाफ और इश्क की बात करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट एवं न्यायसंगत है। हालांकि यह छिपी बात नहीं है कि पुलिस स्वायत्त तरीके से काम नहीं करती। अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों एवं समुदाय विशेष के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं। यह कम बड़ी विडंबना नहीं कि साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचारों की व्याख्या भी अदालतों को करनी पड़ रही है। सत्ताएं सदा से अपनी आलोचना से तल्ख हो जाती रही है, ऐसी जटिल स्थितियों में आखिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कौन करेगा? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी कई मौकों पर वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लम्बी बहसें हो चुकी हैं, आन्दोलन तक हुए, हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना। हर बार अदालतें पुलिस को नसीहत देती हैं, अपने दखल से समझ एवं सीख भी देती है ताकि संतुलित वातावरण बना रहे। मगर शायद उस पर संजीदगी एवं संवेदनशीलता से अमल की जरूरत न तो पुलिस ने समझी और न उग्र एवं विध्वंसक शक्तियों ने। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने एवं विभिन्न समुदायों के आपसी सौहार्द-सद्भावना के खण्डित होने के आरोप लगते रहते हैं, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता। बेवजह नफरत, द्वेष एवं घृणा का माहौल बनता रहा है, चाहे वह फिल्मों के दृश्यों-संवादों, किसी राजनेता के बयानों, धर्मगुरुओं के बोलों या साहित्य के किसी अंश को लेकर भावनाएं आहत करने या भड़काने के आरोप किसी ऐतिहासिक-मिथकीय प्रसंग को लेकर की गई टिप्पणी पर उपजते रहे हो। आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृत्ति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसी सामग्री परोसी जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, ये चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी ओछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के दुरुपयोग पर चिंता से सहमति जताते हुए भी सेंसरशिप और नॉर्म (मानदंड) के बीच के फर्क को रेखांकित किया। उसका कहना था कि सरकार को इस संबंध में गाइडलाइंस लानी चाहिए, लेकिन ऐसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि वे अभिव्यक्ति की आजादी पर गैरजरूरी पाबंदियों का रूप न ले लें। सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है जब देश में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न समुदायों का विचलन, द्वेष एवं नफरत काफी बढ़ी हुई दिख रही है। शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक देखने को मिलती है। हालांकि सोशल मीडिया के ये मंच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक भूमिका भी निभाते देखे जाते रहे हैं। उन पर कड़ाई से बहुत सारे ऐसे लोगों के अधिकार भी बाधित होने का खतरा है, जो स्वस्थ तरीके से अपने विचार रखते और कई विचारणीय मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाते हैं। मगर जिस तरह बड़ी संख्या में वहां उपद्रवी, हिंसक, राष्ट्रीय और सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करने वाले तत्त्व सक्रिय हो गए हैं, उससे चिंता होना स्वाभाविक है। इससे जहां नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल की बेजा स्थितियां भी देखने को मिलती है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि इस अधिकार का ख्याल रखा जाए। उन पर अंकुश लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान करना जरूरी है। भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, विदेशी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, न्यायालय की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए उकसाने के विरुद्ध वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। सरकार इनकी रक्षा के लिए भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के साथ-साथ सेंसरशिप के प्रति अपनी अनिच्छा को दोहराया। लेकिन यह भी कहा कि ऐसा विचार 'घटिया विचारों' और 'गंदी बातों' का लाइसेंस नहीं है। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया में जिस पैमाने पर विष-वमन हो रहा है, उसने पुलिस की चुनौतियां बढ़ा दी हैं। मगर उसकी कार्रवाइयां इसलिए प्रभावी नहीं होतीं, क्योंकि राज्य-दर-राज्य उनके पीछे के राजनीतिक पक्षपात भी स्पष्ट हो जाते हैं। राज्य पुलिस अक्सर सरकार विरोधी पोस्ट के मामले में तो तत्परता दिखाती है, मगर सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों की वैसी ही गतिविधियां वह नजरअंदाज कर देती है।

सूडोकु नवताल- 7364

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7363 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट कैंसर

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कैंसर आज भारत सहित पूरी दुनिया में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा किए गए हालिया विश्लेषण में यह खुलासा हुआ है कि भारत में कैंसर से होने वाली मौतों की दर चिंताजनक रूप से बढ़ रही है, विशेष रूप से महिलाओं में यह दर पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। ग्लोबोकैन 2022 के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं में कैंसर से मृत्यु दर में 1.2 फीसद से 4.4 फीसद तक वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि पुरु षों में यह वृद्धि 1.2 फीसद से 2.4 फीसद तक रही है। ये आंकड़े न केवल एक स्वास्थ्य आपातकाल की ओर संकेत कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करते हैं। महिलाओं में कैंसर से बढ़ती मृत्यु दर एक जटिल समस्या है, जो केवल जैविक या चिकित्सीय कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक, आर्थिक, जागरूकता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की भी बड़ी भूमिका है। भारत में हर पांच में से तीन लोग कैंसर के निदान के बाद अपनी जान गंवा देते हैं। यह आंकड़ा इस बात की पुष्टि करता है कि कैंसर न केवल एक गंभीर रोग है, बल्कि भारत में इसका उपचार भी उतना प्रभावी नहीं हो पा रहा है। खासकर महिलाओं में यह स्थिति अधिक गंभीर होती जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। परिवार की जिम्मेदारियां, सामाजिक दबाव, और आर्थिक निर्भरता उन्हें समय पर जांच और इलाज कराने से रोकते हैं। कई बार कैंसर के शुरु आती लक्षणों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे बीमारी तब पकड़ी जाती है जब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी होती है। महिलाओं में कैंसर की बढ़ती दर के पीछे कई महत्त्वपूर्ण कारण हैं। सबसे पहले, जागरूकता की भारी कमी एक प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जो भारत में महिलाओं में सबसे आम हैं, यदि प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लिए जाएं, तो इनका इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाओं में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की आदत नहीं होती। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित आहार, धूम्रपान, शराब का सेवन, और अत्यधिक तनाव महिलाओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। पहले के समय में महिलाएं अधिक शारीरिक श्रम करती थीं और उनका खान-पान भी पारंपरिक और पोषक तत्वों से भरपूर होता था, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह सब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, और मानसिक तनाव ने महिलाओं में कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। एक और महत्त्वपूर्ण पहलू यह है कि महिलाओं में कैंसर के कई मामले अनुवांशिक और हार्मोनल असंतुलन से भी जुड़े होते हैं। स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर मुख्य रूप से हार्मोनल परिवर्तन और अनुवांशिक प्रवृत्तियों के कारण होते हैं। महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसर में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल हैं। ये पांच कैंसर भारत में महिलाओं की कैंसर मृत्यु दर का 44 फीसद हिस्सा बनाते हैं। स्तन कैंसर सबसे आम है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है, क्योंकि यह देर से पहचाना जाता है। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार तक सीमित नहीं हो सकता। इसके लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, जिससे महिलाओं को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित किया जा सके। महिलाओं को स्वयं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की मानसिकता विकसित करनी होगी। साथ ही, सरकार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन, निःशुल्क कैंसर जांच शिविर, और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है। भारत में कैंसर की रोकथाम और इलाज को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होगा। सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक जांच और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाएं भी समय पर इलाज करा सकें। इसके अलावा, एचपीवी वैक्सीन को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को जड़ से खत्म किया जा सके। महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। यह केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मुद्दा भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संगठनों, समाज और स्वयं महिलाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि– आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपका सोचा हुआ काम, आज पूरा हो जाएगा। बिजनेस साझेदार के साथ मिलकर किए गए कामों से आपको लाभ मिलेगा। साथ ही खुले मन से काम करने पर अच्छे लोग आपसे जुड़ने की कोशिश करेंगे। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा। समाज में आज आपको मान-सम्मान मिलेगा, आपको लोग अच्छे उदाहरण के तौर पर देखेंगे।

वृष राशि– आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा, आपको मन मुताबिक परिणाम मिलेगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। आज आपके विरोधी आपके सामने नतमस्तक होंगे, दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। किसी काम में अपनों की मदद मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं, आपके रिश्ते में मजबूती आएगी।

मिथुन राशि– आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपके परिवार में नई-नई खुशियां आएंगी। संतान की सफलता आपको प्रसन्न करेगी, आपके घर लोग बधाई देने आयेंगे। घर पर पार्टी का आयोजन करेंगे। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। लोग आपकी योजना पर काम करने के लिए आपसे सलाह लेंगे, आप लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

कर्क राशि– आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आयेगा। आज आप किसी बात को लेकर नेतृत्व करेंगे, जिसमें अन्य लोगों का सहयोग मिलेगा। साथ ही किसी जरूरी विषय पर बातचीत भी होगी, अपनी बात कहने का मौका मिलेगा, आपके विचारों को महत्व मिलेगा। आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा जो आगे चलकर काम आएगा।

सिंह राशि– आज आपके दिन की शुरुआत आपके अनुकूल होने वाली है। आज आप वर्किंग प्लेस पर खूब मेहनत करेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होगा। प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए आज का दिन अच्छा है।आज आपको कई जिम्मेदारियां मिलेंगी, जिन्हें आप अच्छी तरह से निभायेंगे। इस राशि के मनोरंजन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा, आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी।

कन्या राशि– आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है, जिससे आप कॉन्फिडेंस फील करेंगे। किसी जरूरी काम पर आज विचार करने का पूरा मौका मिलेगा। समय का पूरा सदुपयोग करें। आज आप रचनात्मक कार्य कर सकते हैं। लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे, घरवाले आपके रिश्ते से सहमत होंगे।

तुला राशि– आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी धार्मिक स्थल पर जाएंगे, जहां आप कुछ जरूरतमंद की मदद भी करेंगे। हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको सफलता मिलेगी। आज किसी से मदद मांगने में संकोच न करें, सब आपके फेवर में है। आप किसी योजना की शुरुआत कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि– आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आज अधिकारी वर्ग का सहयोग पाने में आसानी होगी, बिगड़ते काम बनेंगे। बच्चों के प्रति आपका प्रेम। आपको उनका प्रिय बना देगा। आज आप अपनी गलतियों से कुछ सीखेंगे। अगर आप बिजनेस स्टार्ट कर रहे हैं, तो शुभ मुहूर्त में ही शुरू करें। आज आप कुछ क्रिएटिव वर्क कर सकते हैं, लोगों को आपके काम करने का तरीका पसंद आएगा।

धनु राशि– आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी दोस्त से मिलने उसके घर जाएंगे, पुरानी यादें ताज़ा होंगी। आज यात्रा करने से बचने की कोशिश करें। बच्चों के साथ थोड़ा टाइम स्पेंड कर सकते हैं। प्राइवेट शिक्षक आज बच्चों को पढ़ाई के नए तरीके सिखायेंगे, छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी।

मकर राशि– आज आप अपने दिन की शुरुआत शांत मन से करेंगे। पुराने लेन-देन के मामलों में आज सोच विचार करेंगे। अपने खास रिश्तेदार के घर जाएंगे जहां खुशी का माहौल बना रहेगा। आपको सरकारी क्षेत्र से लाभ होने की संभावना हैं।

कुंभ राशि– आज आपके दिन की शुरुआत अच्छे मूड के साथ होने वाली है। आज पैसों के मामले में उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे, आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व दे जो आपके लिए ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। साथ ही आपको अपने काम, परिवार, और दोस्तों के बीच संतुलन बना कर रखना चाहिए।

मीन राशि– आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। इस राशि के जो लोग बेकरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उन्हें आज उम्मीद से ज्यादा लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर बनी रहेगी। कला व साहित्य से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन बढ़िया रहेगा।

'छावा' ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया

हृदयनारायण दीक्षित

सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है। यह करोड़ों को रोजगार देता है और प्रतिभाशाली लोगों को सृजन के अवसर। लेकिन बड़े पर्दे के सिनेमा के दर्शक घटे हैं। सोशल मीडिया में अनेक रास्तों से फिल्मी दृश्य और गाने सुने-देखे जा सकते हैं। एक तरह से बहुत बड़े हाल में बैठकर अपनों के साथ फिल्म देखने का अवसर अब नहीं रहा। इधर तीन-चार फिल्में ऐसी आईं जिनमें हिंसा का अतिरेक था। कुछ वेब सीरीज में भी हिंसा और गलियों की बौछार है। ऐसे कथानक कला का आनंद नहीं देते। सभी कलाएं आनंद मार्गी हैं। गीत-संगीत चित्त में आनंद रस का सृजन करते हैं। कुछ फिल्मों की कहानी भी रुचि पैदा करती है। सिनेमा अभी लाखों दर्शकों को सम्मोहित करता है। इस पर देश के जागरूक लोगों को खुशी मनानी चाहिए कि तमाम आधुनिक उपकरणों और तरीकों के बावजूद सिनेमा अभी भी अपना स्थान पूरी प्रतिष्ठा के साथ बनाए हुए है। इस लिहाज से निर्देशक लक्ष्मण के निर्देशन में बनी फिल्म 'छावा' दर्शकों की वाहवाही लूट रही है। इस वाहवाही के अनेक कारण हैं। केवल फिल्मांकन ही नहीं। यह अभिनय की दृष्टि से भी कमजोर फिल्म नहीं है। कसे संवाद और कलाकारों का अभिनय फिल्म के आकर्षण का कारण है। फिल्म की राष्ट्रीय चर्चा है। इसका मूल कारण औरंगजेब का व्यक्तित्व है। औरंगजेब किसी एक व्यक्ति का नाम भर नहीं है। औरंगजेब का नाम लेते ही लगभग 350-400 साल पहले भारतीय संस्कृति और परम्परा को रौंदने वाले अत्याचारी शासक का चेहरा सामने आ जाता है। कथित सेकुलरों ने औरंगजेब की प्रशंसा में बहुत कुछ लिखा है। वह उसे फकीर और संत सिद्ध करने में आमादा हैं। औरंगजेब इस देश की संस्कृति को नष्ट करने के लिए ज्यादा जाना गया है। स्वयं ईश्वर की उपासना करता था लेकिन उसे हिन्दुओं को यह छूट देने पर ऐतराज था। औरंगजेब का एक भाई दारा शिकोह भारतीय संस्कृति और दर्शन का अनुरागी था। अब्बा शाहजहां ने दारा शिकोह के लिए उपनिषद् और वेदांत पढ़ने वाले आचार्यों की नियुक्ति की थी। उसके मन में इस संसार को जान लेने की जिज्ञासा थी। पिता ने ऐसी ही व्यवस्था औरंगजेब के लिए भी की थी। औरंगजेब ने अपने अध्यापक आचार्य को चिट्ठी लिखी थी कि, "मेरे पिता ने आपको मुझे दर्शनशास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है, जबकि दर्शन में कोई लाभप्रद बात है ही नहीं। जो विषय समझ में नहीं आते जो, समझने और याद करने में क्लिष्ठ होते हैं, वही दर्शन शास्त्र है। अच्छा होता कि आप मुझे शहर में घेरा डालने की विधि समझाते।" औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को भी जेल में डाल दिया था। फिल्म छावा में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण अंश को दर्शाया गया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता विकी कौशल के अभिनय की भी प्रशंसा हो रही है। औरंगजेब के व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने के लिए अतिरिक्त साहस और बुद्धि की आवश्यकता थी। फिल्म के निर्देशक इस कार्य में सफल हुए हैं। औरंगजेब ने सनातन

धर्म के सभी नियमों, आस्था और विश्वास को खत्म करने का काम किया था। काशी का मंदिर ध्वस्तीकरण औरंगजेब के काले कारनामों में से एक है। मूर्ति पूजा और मंदिरों में जाना औरंगजेब की निगाह में अपराध था। हम भारत के लोग औरंगजेब की प्रशंसा नहीं सुन सकते। छत्रपति शिवाजी आराध्य हैं। फिल्म में छत्रपति शिवाजी के पुत्र की भूमिका बहुत अच्छे तरीके से की गई है। फिल्म की कहानी का मूल आधार शिवाजी सावंत द्वारा लिखे गए उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया है। इसके अलावा औरंगजेब के मूल चरित्र को भी उजागर किया है। हम भारत के लोग विजय पर्व दशहरा का उत्सव मनाते हैं। रावण के पुतले को आग लगाते हैं। इसलिए कि रावण भारतीय ज्ञान परंपरा में खलनायक माना जाता है। विजयादशमी के दिनों में देश के कोने-कोने रामलीलाएं होती हैं। देश में अत्याचार करने वाले किसी भी आताताई अपराधी की उपासना की अपेक्षा हमसे क्यों की जाती है। औरंगजेब भारतीय मध्यकाल के इतिहास का खलनायक था। लेकिन सेकुलर समूह औरंगजेब की छवि को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं। भारत की संस्कृति सभी कलाओं से भरी पूरी है। भारतीय सिनेमा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने लिखा है कि, "कला प्रकृति की अनुकृति है।" सही बात है। अनुसरण से कलाओं का विकास हुआ है। लेकिन भारतीय कला के शतपथ ब्राह्मण की परिभाषा जान लेने लायक है-यो वे रुपम् तत् शिल्पम परम सत्ता सब तरफ रूप रूप प्रतिरूप हो रही है। सिनेमा में तमाम प्रतिभाओं का श्रम जुड़ता है। सिनेमा आकर्षित करता है। सिनेमा के कथानक को लेकर पहले भी विरोध या समर्थन होते रहे हैं। पद्मावत फिल्म के विरोध का किस्सा लोगों को मालूम है। उस समय महारानी की छवि वैसी नहीं दिखाई गई जैसी वास्तव में है। कश्मीर फाइल्स को पूरे देश ने बहुत ध्यान से देखा था। इस कहानी में कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न को फिल्माया गया था। यहां भी फिल्म के विरोधी कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न के प्रकाश में आ जाने से नाराज थे। दि केरला स्टोरी नाम की फिल्म पर लगातार विवाद होता ही रहा है। दरअसल, फिल्म निर्माण के कार्य में प्रतिभाएं सुव्यवस्थित काम करती हैं। बेशक सिनेमा किसी न किसी रूप में समाज का सच दिखाता है। फिल्मकार बेशक इतिहास आधारित फिल्म निर्माण भी करते हैं, लेकिन वह इतिहास से निर्देशित नहीं होते। इतिहास की कथाएं भी इसी तरह की हैं।

मैं स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक कृष्ण चन्द्र विश्नोई द्वारा वीर अर्जुन प्रेस, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग नई दिल्ली से मुद्रित कराकर ए-84 रामापार्क, उत्तमनगर नई दिल्ली 110059 से प्रकाशित। सम्पादकः कृष्ण चन्द्र विश्नोई
RNI NO. DELHIN/2016/72182, Mob. 9415006460, इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों /लेखों के लिए रिपोर्टर/लेखक जिम्मेदार होंगे। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा।

वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ

खरी कसौटी

जयपुर : राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह ने शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ परिसर में वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया।

शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझाइश द्वारा लंबित प्रकरणों के निस्तारण की मूल भावना को साकार किया जाता है। जिससे पक्षकारों के समय की बचत के साथ-साथ उनके मध्य वैमनस्य का भाव भी समाप्त होता है।

न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित प्रकरणों सहित प्री-लिटिगेशन स्तर तक के समस्त प्रकरणों का आपसी समझाइश से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की सुनवाई ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से की जाएगी।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरि ओम अत्रि ने बताया कि जन सामान्य के द्वारा अपने प्रकरणों को राजीनामे के माध्यम से निपटाने के लिए प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाए जाएंगे। इन प्रकरणों की सुनवाई के लिए अधीनस्थ न्यायालयों की कुल 468 बैंचों का गठन किया गया। अत्रि ने बताया कि 24 फरवरी तक इन बैंचों में तीन लाख 39 हजार 344 प्री-लिटिगेशन तथा न्यायालयों में लम्बित दो लाख आठ हजार 605 प्रकरणों सहित कुल पांच लाख 47 हजार 949 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

अत्रि ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति आमजन एवं पक्षकारों में काफी उत्साह है। पक्षकार स्वयं आगे बढ़कर अपने मामलों को लोक अदालत में लगवाने के लिए आ रहे हैं। साथ ही, विद्वान अधिवक्ता अपने स्तर पर पक्षकारों को अपने मामले राजीनामा के माध्यम से सुलझाने वाले इस सुलभ माध्यम को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर एवं जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता आयोगों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकरणों में भी किया गया है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में कार्यरत न्यायाधिपतियों की चार बैंचों का गठन कर तीन हजार 170 लंबित प्रकरण तथा राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ में चार सेवानिवृत्त न्यायाधिपतियों की बैंचों का गठन कर एक हजार 503 लम्बित प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए रैफर किये गये हैं।

लोक अदालत का सार- ना किसी की जीत, ना किसी की हार..

इस साल की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित, आपसी समझाइश से कई प्रकरणों का निस्तारण

खरी कसौटी

जोधपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व राजस्थान हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति जोधपुर के निर्देशानुसार इस साल की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हाईकोर्ट व अधीनस्थ जोधपुर महानगर न्याय क्षेत्र में किया गया। लोक अदालतों में आपसी समझाइश से कई प्रकरणों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत का सार ना किसी की जीत, ना किसी की हार था। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त सचिव अजीज खान ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष तथा न्यायाधीश चंद्रशेखर ने सुबह दीप प्रज्वलन कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। प्रकरणों की सुनवाई के लिए राज्य की अधीनस्थ अदालतों में 468 पीठों का गठन किया गया, जहां प्रकरणों की ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से सुनवाई की गई। मुख्य पीठ में चार बैंचों का गठन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर महानगर के सचिव पुखराज गहलोत ने बताया कि लोक अदालत के लिए 9 हजार 975 प्रकरण तथा प्री-लिटिगेशन में 32 हजार 697 प्रकरणों को चिह्नित किया गया। उन्होंने बताया कि इन मामलों के निस्तारण के लिए नौ पीठों का गठन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न तरह के राजीनामा योग्य प्रकरणों का निपटारा किया गया। इसमें फौजदारी मामले (राजीनामा योग्य), धारा 138 परक्राम्य विलेख अधिनियम से संबंधित मामले, धन वसूली, एमएसीटी, श्रम विवाद, कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, बिजली-पानी बिल विवाद (अशमनीय को छोडक़र), पारिवारिक विवाद (तलाक को छोडक़र), भूमि अधिग्रहण, सर्विस मैटर्स (पदोन्नति एवं वरिष्ठता विवाद को छोडक़र), राजस्व मामले, वाणिज्यिक विवाद, बैंकिंग विवाद, सहकारिता, परिवहन, स्थानीय निकाय, रियल एस्टेट, रेलवे क्लेम्स, आयकर, अन्य कर, उपभोक्ता विवाद, किरायेदारी, बंटवारा, सुखाधिकार, निषेधाज्ञा, क्षतिपूर्ति एवं विनिर्दिष्ट पालना संबंधी विवाद का निपटारा किया। यह आयोजन राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर एवं जयपुर पीठ सहित प्रदेश के सभी अधीनस्थ न्यायालयों, राजस्व न्यायालयों, उपभोक्ता आयोगों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकरणों में संपन्न हुआ। इसमें जोधपुर जिला न्यायिक क्षेत्र के अधीनस्थ आने वाले फलोदी, बिलाड़ा, बालेसर, ओसियां, पीपाड़, भोपालगढ़, बाप लोहावट और जोधपुर जिला मुख्यालय पर स्थित सभी न्यायालयों में दीवानी और फौजदारी प्रकरण, प्री लिटिगेशन प्रकरणों के साथ-साथ राजस्व प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

सेंट्रल पार्क में जेडीए करवाएगा पिंक टॉयलेट का निर्माण

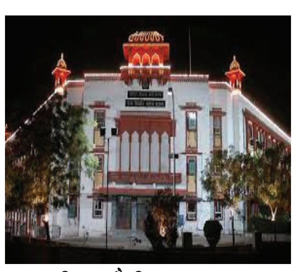

खरी कसौटी, जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने सेंट्रल पार्क में महिलाओं के लिए विशेष 'पिंक टॉयलेट' निर्माण की घोषणा की है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उठाया गया है, जो महिलाओं की सुरक्षा और स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। जेडीसी आनंदी ने बताया कि पिंक टॉयलेट का उद्देश्य न केवल महिलाओं को स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की सुविधा प्रदान करना है, बल्कि यह महिलाओं के प्रति समाज में सम्मान और सुरक्षा की भावना को भी बढ़ावा देना है। इन टॉयलेट्स में आधुनिक सुविधाएं (सैनेट्री पैड वेंडिंग मशीन) उपलब्ध होंगी, जिसमें स्वच्छता, गोपनीयता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। "महिलाओं की सुरक्षा और स्वच्छता जेडीए के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिंक टॉयलेट का निर्माण महिलाओं को एक सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान प्रदान करेगा, जहां वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।" पिंक टॉयलेट को आकर्षक और आरामदायक तरीके से डिजाइन किया जाएगा, जिससे महिलाएं बिना किसी झिझक के उनका उपयोग कर सकें। इसके साथ ही, इस टॉयलेट में स्वच्छता और रखरखाव का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

एलआईसी की याचिका खारिज, 16 लाख रुपये का बीमा भुगतान करने के आदेश

खरी कसौटी

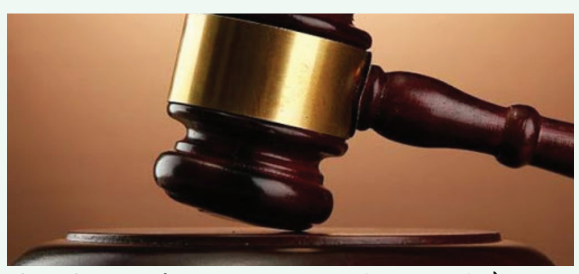

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मुनुरी लक्ष्मण ने भारतीय जीवन बीमा निगम की रिट याचिका खारिज करते हुए व्यवस्था दी है कि कैंसर का रोग लक्षण पीइटी स्कैन से नहीं होकर बायोप्सी से ही पता चलता है। उन्होंने स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर के परिवाद मंजूर करने के फैसले को सही और वाजिब बताया, जिसमें निगम को निर्देश दिया गया कि परिवादी को बीमा राशि 16 लाख रुपये, द्वितीय प्रीमियम किस्त 3824 रुपये मय 8 फीसदी ब्याज और परिवाद व्यय पांच हजार रुपये अदा करें। भारतीय जीवन बीमा निगम ने रिट याचिका दायर कर कहा कि बीमाधारी दामोदर बागड़ी ने निगम से 22 जनवरी 2018 को कैंसर कवर बीमा पॉलिसी ली थी, जिसकी प्रतीक्षा अवधि 180 दिन होने से 21 जुलाई तक उनकी कोई जोखिम आवरित नहीं थी और पीइटी स्कैन 19 जुलाई को होने से कैंसर की जानकारी मिल जाती है इसलिए दावा देय नहीं होने के बावजूद स्थाई लोक अदालत ने परिवाद मंजूर कर गलत किया है। एर्नाकुलम केरल रहवासी बागड़ी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि 24 जुलाई को सॉफ्ट टिश्यू इकट्ठे कर बायोप्सी हुई और कैंसर रोग के लक्षण 29 जुलाई को पता लगे इसलिए रिट याचिका खारिज की जाएं। न्यायाधीश मुनुरी लक्ष्मण ने रिट याचिका खारिज करते हुए कहा कि पीइटी स्कैन से महज यह पता लगता है कि सैल्स कहां पर ज्यादा एक्टिव है, जबकि सॉफ्ट टिश्यू 24 जुलाई को लेकर बायोप्सी होने से ही कैंसर रोग लक्षण 29 जुलाई को मालूम होने से मरीज का इलाज 30 जुलाई से शुरू किया गया इसलिए रोग लक्षण निश्चित रूप से बीमा पॉलिसी प्रारंभ होने के 180 दिन बाद के है तो स्थाई लोक अदालत के निर्णय में कोई अतिशयोक्ति नहीं है और उनका फैसला सही और वाजिब होने से हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता है।

भारतीय रेल में महिला कर्मचारियों की संख्या 8.2% से अधिक

गोरखपुर : 12 लाख 30 हजार से अधिक कर्मचारियों के साथ भारतीय रेल विश्व की सबसे बड़ी नियोक्ताओं में से एक है । इन कर्मचारियों में 1 लाख 13 हजार से अधिक महिला कर्मचारी हैं। भारतीय रेलवे महिला कर्मचारियों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन से महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। महिलाओं ने रेलवे के चुनौती पूर्ण कार्यों को भी अंगीकार किया है। हाल के वर्षों में रेलवे के लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर और रेल सुरक्षा बल में महिलाओं की संख्या तेजी से बड़ी है। 2014 में रेलवे में महिला कर्मचारियों की संख्या 6.6 प्रतिशत थी जो वर्ष 2024 तक में बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में 2,162 लोको पायलट भारतीय रेल में सेवा दे रहीं हैं। इसके साथ ही 794 महिला ट्रेन मैनेजर (गार्ड) कार्यरत हैं। वर्तमान में 1699 महिला स्टेशन मास्टर भारतीय रेल के विभिन्न स्टेशनों में नियुक्त हैं। 12362 महिलाएं कार्यालय कर्मयोगी के रूप में कार्यरत है जबकि 2360 महिला सुपर वाइजर और 7756 महिला ट्रैकमैन नियुक्त हैं। भारतीय रेल की टीटी/सीसी के पद पर 4446 महिलाएं राष्ट्र सेवा कर रहीं हैं। देश के विभिन्न स्टेशनों पर 4430 महिलाएं 'पॉइंट्स मैन' के पद पर कार्यरत हैं। महाराष्ट्र के माटुंगा रेलवे स्टेशन व न्यू अमरावती स्टेशन, अजनी और राजस्थान के गांधीनगर रेलवे स्टेशन पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित किया जा रहा है।

फ्री यात्रा के लिए बसों में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़

खरी कसौटी

जोधपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजस्थान सरकार ने हर वर्ष की भांति इस बार भी महिलाओं को रोडवेज बसों में फ्री यात्रा की सौगात दी। मुफ्त यात्रा के कारण आज रोडवेज बसों में महिलाओं की भारी भीड़ रही। राइका बाग बस स्टैंड पर आज सुबह से ही महिलाओं की भीड़ रही। निःशुल्क यात्रा की सेवा शुक्रवार रात बारह बजे शुरू हो गई थी जो आज रात बारह बजे तक जारी रहेगी। राज्य सरकार के निर्देश पर रोडवेज की तरफ से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजस्थान रोडवेज की राज्य की सीमा में संचालित समस्त साधारण और द्रुतगामी (एक्सप्रेस) में यात्रा करने वाली महिलाओं को निःशुल्क यात्रा सुविधा दी गई। शनिवार को दिनभर सामान्य श्रेणी की बसों में महिलाओं ने निःशुल्क यात्रा की। निःशुल्क यात्रा की सुविधा केवल राजस्थान राज्य की सीमा तक ही मिली। एसी वोल्वो में यह छूट नहीं दी गई। निःशुल्क सुविधा के लिए हजारों महिलाओं ने पहले से ही आरक्षण करवा लिया था। वहीं आज भी हजारों महिलाएं यात्रा के लिए आई। स्थानीय स्तर पर महिलाओं की सहायतार्थ प्रमुख जगहों पर महिला कर्मचारियों को लगाया गया। रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा को लेकर महिलाओं में उत्साह देखा गया। निःशुल्क यात्रा करने के लिए महिलाओं और बालिकाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। ऐसे में कई महिलाओं को खड़े रहकर यात्रा करनी पड़ी। इनके अलावा नियमित यात्रा करने वाले लोगों को भी भारी परेशानी हुई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुरातत्व और संग्रहालय विभाग द्वारा भी अनूठी पहल करते हुए आज प्रदेश के सभी राजकीय संग्रहालयों और स्मारकों में महिलाओं और बालिकाओं का प्रवेश निःशुल्क रखा गया। पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग जोधपुर वृत के अधीक्षक इमरान अली ने बताया कि अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजकीय संग्रहालय सरदार राजकीय संग्रहालय उम्मेद उद्यान एवं राजकीय संग्रहालय मण्डोर उद्यान में महिलाओं और बालिकाओं के लिए प्रवेश निःशुल्क रहा।

एडीसी ने कूड़ा निस्तारण केंद्र का किया दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश

खरी कसौटी

झज्जर। अतिरिक्त उपायुक्त एवं डीएमसी सलोनी शर्मा ने शनिवार को नगर परिषद बहादुरगढ़ की चेयरपर्सन सरोज राठी व अधिकारियों के साथ नयागांव स्थित कूड़ा निस्तारण केंद्र (डंपिंग यार्ड) का दौरा किया और नप अधिकारियों व संबंधित एजेंसी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कूड़ा निस्तारण केंद्र का दौरा करने के उपरांत एडीसी सलोनी शर्मा ने नगर परिषद कार्यालय में चेयरपर्सन सरोज राठी व अधिकारियों के साथ मीटिंग कर सफाई व्यवस्था व विकास कार्यों की जानकारी ली।चेयरपर्सन सरोज राठी ने एडीसी सलोनी शर्मा को नगर परिषद बहादुरगढ़ द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। बहादुरगढ़ में सफाई व्यवस्था व शहर के सौंदर्यकरण को लेकर बनाई गई भविष्य की रूपरेखा से भी उनको विस्तार से अवगत कराया। अधिकारियों को निर्देश देते हुए एडीसी ने कहा कि बहादुरगढ़ में सफाई व्यवस्था बेहतर की जाए। आमजन को नगर परिषद के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिली और आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करने का करने का कार्य अधिकारी करें। चेयरपर्सन सरोज राठी ने एडीसी को बताया नगर परिषद का पूरा प्रयास है कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बहादुरगढ़ की रैंकिंग में पूरी तरह से सुधार आए। मीटिंग में चेयरपर्सन सरोज राठी ने कई विषयों पर एडीसी सलोनी शर्मा से चर्चा की। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर चेयरपर्सन सरोज राठी ने एडीसी सलोनी शर्मा का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते हुए तथा शाल ओढ़ाकर सम्मान करके समस्त मातृशक्ति को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, ज्ञान विज्ञान, राजनीति सहित सभी क्षेत्र में मातृशक्ति उत्कृष्ट कार्य कर रही है। इस अवसर पर नप कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला, वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, पार्षद सविता राजेश सैनी, ज्योति कर्मवीर शर्मा, पार्षद अशोक शर्मा, अश्वनी शर्मा, राजेश मकडोली, पार्षद प्रतिनिधि सतपाल राठी, हरिमोहन धाकरे, पवन रोहिल्ला सहित नप अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री

खरी कसौटी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं का विकसित भारत-विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि महिलाएं राजनीति, कला, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित हर मोर्चे पर अपने उत्कृष्ट कार्यों से देश और प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि अंतिम पंक्ति पर खड़ी जरूरतमंद महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के लिए मिलकर प्रयास करें और देश-प्रदेश को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। शर्मा शनिवार को बिड़ला सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं त्याग, करुणा, स्नेह, धैर्य, सहनशीलता, संवेदनशीलता, सौम्यता, विनम्रता, वीरता, सहानुभूति जैसे अनेक गुणों की प्रतिमूर्ति होती हैं। यह दिन मातृशक्ति के योगदान को सम्मान देने का अवसर तथा हर क्षेत्र में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे के लिए उसकी मां ही उसकी प्रथम गुरु होती है तथा व्यक्ति को सुशिक्षित एवं सभ्य बनाने में नारी का बहुत बड़ा योगदान होता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को हमेशा सम्मान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवता निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर दिए जा रहे एक लाख रुपये के सेविंग बॉन्ड की राशि को बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसलों से देश में महिलाएं सशक्त तथा आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में आज के दिन प्रधानमंत्री के डिजिटल सोशल मीडिया अकाउंट की जिम्मेदारी भी नारी शक्ति को ही सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जहां घर-घर में शौचालय बनवाकर नारी शक्ति को उचित सम्मान दिया वहीं, उज्ज्वला योजना से हर घर तक रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाया। हमारी सरकार भी 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आधी आबादी की उन्नति और प्रगति के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करवाया जिससे महिलाओं के लिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत तीन लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। साथ ही, मातृवंदन योजना से करीब पांच लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा साथिन बहनों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 10 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों पर पौधारोपण जैसे कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि देश और प्रदेश दोनों का बजट महिलाओं ने ही पेश किया है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि समाज में महिलाओं के लिए अवसरों में समानता निरंतर बढ़ रही है। आज महिलाओं की स्टार्ट-अप, व्यवसाय, कला, पर्यटन, खेल, मीडिया सहित सभी क्षेत्रों में भागीदारी में वृद्धि हुई है। इस आधी आबादी में निर्णय लेने की गजब क्षमता होती है जिससे परिवार, देश, समाज आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत, उज्ज्वला जैसी योजनाओं से महिला हितों के लिए जागरूकता बढ़ाई है। उनकी हर योजना में महिलाओं का हित केन्द्र में होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 10 प्रतिशत बढ़ाना, लखपति दीदी का दायरा बढ़ाना जैसे कदमों से महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया जा रहा है।

महिला दिवस पर महापौर ने स्वच्छता योद्धाओं को दिखाई फिल्म छावा

खरी कसौटी

जयपुर : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर द्वारा स्वच्छता योद्धाओं को जीटी सेंट्रल में छावा मूवी दिखाई गई। छावा वीर योद्धा छत्रपति संभाजी राजे के जीवन पर आधारित है। सभी स्वच्छता योद्धा महापौर के साथ मूवी देखकर उत्साहित नजर आए तथा सभी ने महापौर को धन्यवाद दिया इस अवसर पर महापौर ने सभी महिला स्वच्छता योद्धाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी तथा स्वच्छता योद्धाओं को आइसक्रीम भी खिलाई। इसके बाद सभी स्वच्छता योद्धाओं के साथ छावा मूवी देखी।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय रेल मंत्री ने विनिर्माण इकाइयों की आधारशिला रखी

गोरखपुर। केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तेलंगाना के दिवितिपल्ली में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर में चार विनिर्माण इकाइयों की आधारशिला रखी। समारोह के हिस्से के रूप में, अमारा राजा कंपनी की आगामी गीगा फैक्ट्री-1, लोहुम कंपनी की महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और बैटरी रीसाइक्लिंग, सेल एनर्जी की सेल केसिंग विनिर्माण और अल्टमिन की पहली एलएफपी-सीएएम गीगा फैक्ट्री की आधारशिला रखी गई।

होली पर बेंगलुरु से गोरखपुर के लिए विशेष गाड़ी

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 06529/06530 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरू-गोरखपुर-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरू होली विशेष गाड़ी का संचलन सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरू से 10 एवं 17 मार्च, 2025 को तथा गोरखपुर से 14 एवं 21 मार्च, 2025 को 02 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 06529 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरू गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 10 एवं 17 मार्च, 2025 को सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरू से 19.00 बजे प्रस्थान कर तुमकूर से 20.20 बजे, अरसीकेरे से 22.30 बजे, कडूर जं. से 22.55 बजे, दूसरे दिन दावणगेरे से 00.25 बजे, हावेरि से 01.40 बजे, हुब्बल्लि जं. से 04.05 बजे, घारवाड़ से 04.30 बजे, बेलगावि से 06.45 बजे, घटप्रभा से 07.37 बजे, मिरज से 10.00 बजे, सातारा से 13.35 बजे, पुणे से 17.10 बजे, दौंड कॉर्ड लाइन से 18.25 बजे, तीसरे दिन मनमाड जं. से 01.15 बजे, भुसावल से 03.40 बजे, खंडवा से 06.05 बजे, रानी कमलापति से 10.00 बजे, बीना से 12.30 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) से 14.50 बजे, उरई से 16.12 बजे, पुखरायां से 17.02 बजे, गोविन्दपुरी से 18.45 बजे, प्रयागराज जं. से 22.00 बजे, ज्ञानपुर रोड से 23.48 बजे, चौथे दिन बनारस से 01.15 बजे, वाराणसी से 01.40 बजे, औंड़िहार से 02.15 बजे, मऊ जं. से 03.27 बजे, बेलथरा रोड से 04.10 बजे, भटनी से 04.42 बजे तथा देवरिया सदर से 05.10 बजे छूटकर गोरखपुर 06.40 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 06530 गोरखपुर-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरू होली विशेष गाड़ी 14 एवं 21 मार्च, 2025 को गोरखपुर से 17.00 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 18.00 बजे, भटनी से 18.22 बजे, बेलथरा रोड से 19.12 बजे, मऊ जं. से 20.02 बजे, औंड़िहार से 21.07 बजे, वाराणसी से 22.20 बजे, बनारस से 22.45 बजे, दूसरे दिन ज्ञानपुर रोड से 00.20 बजे, प्रयागराज जं. से 01.20 बजे, गोविन्दपुरी से 06.00 बजे, पुखरायां से 07.22 बजे, उरई से 08.05 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) से 10.10 बजे, बीना से 13.15 बजे, रानी कमलापति से 16.30 बजे, खंडवा से 20.50 बजे, भुसावल से 23.15 बजे, तीसरे दिन मनमाड जं. से 01.40 बजे, दौंड कॉर्ड लाइन से 06.20 बजे, पुणे से 08.50 बजे, सातारा से 12.10 बजे, मिरज से 16.15 बजे, घटप्रभा से 17.25 बजे, बेलगावि से 19.00 बजे, घारवाड़ से 21.22 बजे, हुब्बल्लि जं. से 22.50 बजे, हावेरि से 23.55 बजे, चौथे दिन दावणगेरे से 00.55 बजे, कडूर जं. से 02.27 बजे, अरसीकेरे से 03.40 बजे, तुमकूर से 05.15 बजे छूटकर सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल,बेंगलूरू 08.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल. आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

गोंदिया से छपरा के लिए विशेष गाड़ी चलेगी

गोरखपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 08863/08864 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी का संचलन गोंदिया से 12 मार्च, 2025 को तथा छपरा से 13 मार्च, 2025 को 01 फेरे हेतु किया जायेगा। 08863 गोंदिया-छपरा होली विशेष गाड़ी 12 मार्च, 2025 को गोंदिया से 17.00 बजे प्रस्थान कर डोंगरगढ़ से 18.18 बजे, राजनांदगांव से 18.42 बजे, दुर्ग से 19.25 बजे, रायपुर से 20.10 बजे, भाटापरा से 21.00 बजे, उस्लापुर से 22.40 बजे, पेन्ड्रा रोड से 23.58 बजे, दूसरे दिन अनूपपुर से 00.37 बजे, शहडोल से 01.20 बजे, उमरिया से 02.15 बजे, कटनी से 04.50 बजे, मैहर से 06.40 बजे, सतना से 07.15 बजे, मानिकपुर से 09.02 बजे, प्रयागराज छिवकी 10.20 बजे, चुनार से 11.32 बजे, वाराणसी से 14.50 बजे, गाजीपुर सिटी से 15.30 बजे तथा बलिया से 16.45 बजे छूटकर छपरा 19.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 08864 छपरा-गोंदिया होली विशेष गाड़ी 12 मार्च, 2025 को छपरा से 22.15 बजे प्रस्थान कर बलिया से 23.25 बजे, दूसरे दिन गाजीपुर सिटी से 00.25 बजे, वाराणसी से 02.50 बजे, चुनार से 03.50 बजे, प्रयागराज छिवकी से 04.10 बजे, मानिकपुर से 06.40 बजे, सतना से 08.50 बजे, मैहर से 09.20 बजे, कटनी से 10.20 बजे, उमरिया से 11.56 बजे, शहडोल से 13.00 बजे, अनूपपुर से 13.40 बजे, पेन्ड्रारोड से 14.22 बजे, उस्लापुर से 16.55 बजे, भाटापारा से 18.01 बजे, रायपुर से 19.18 बजे, दुर्ग से 20.55 बजे, राजनांदगांव से 21.18 बजे तथा डोंगरगद से 22.12 बजे छूटकर गोंदिया 23.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 01, जनरेटर सह लगेज यान का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 09, शयनयान श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 07 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

कासगंज छपरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुरः रेलवे प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05092/05091 कासगंज-छपरा-कासगंज साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन कासगंज से 10 से 24 मार्च, 2025 तक प्रत्येक सोमवार एवं बृहस्पतिवार को तथा छपरा से 11 से 25 मार्च, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 05 फेरों हेतु किया जायेगा। 05092 कासगंज-छपरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 10 से 24 मार्च, 2025 तक प्रत्येक सोमवार एवं बृहस्पतिवार को कासगंज से 19.50 बजे प्रस्थान कर सोरों शूकर क्षेत्र 20.15 बजे, उझानी से 20.44 बजे, बदायूँ से 21.00 बजे, बरेली जं. से 22.03 बजे, बरेली सिटी से 22.20 बजे, इज्जतनगर से 22.40 बजे, भोजीपुरा से 23.00 बजे, पीलीभीत से 23.50 बजे, दूसरे दिन पूरनपुर से 00.48 बजे, मैलानी से 02.05 बजे, गोला गोकरनाथ से 02.27 बजे, लखीमपुर से 02.59 बजे, सीतापुर से 03.45 बजे, गोंडा से 05.50 बजे, बस्ती से 06.52 बजे, खलीलाबाद से 07.32 बजे, गोरखपुर से 08.10 बजे, कप्तानगंज से 09.12 बजे, पडरौना से 09.47 बजे, तमकुही रोड से 10.22 बजे, थावे से 11.45 बजे, गोपालगंज से 11.57 बजे, रानी सराय से 12.15 बजे, दिघवा दुबौली से 12.47 बजे तथा मसरख से 13.12 बजे छूटकर छपरा 14.20 बजे बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05091 छपरा-कासगंज साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 11 से 25 मार्च, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को छपरा से 16.50 बजे प्रस्थान मसरख से 17.52 बजे, दिघवा दुबौली से 18.17 बजे, रतन सराय से 18.49 बजे, गोपालगंज से 19.07 बजे, थावे से 19.50 बजे, तमकुही रोड से 20.27 बजे, पडरौना से 20.57 बजे, कप्तानगंज से 21.37 बजे, गोरखपुर से 22.40 बजे, खलीलाबाद से 23.10 बजे, बस्ती से 23.47 बजे, दूसरे दिन गोंडा से 00.52 बजे, सीतापुर से 03.00 बजे, लखीमपुर से 03.47 बजे, गोला गोकरननाथ से 04.32 बजे, मैलानी से 05.00 बजे, पूरनपुर से 05.43 बजे, पीलीभीत से 06.50 बजे, भोजीपुरा से 07.25 बजे, इज्जतनगर से 07.52 बजे, बरेली से सिटी से 08.10 बजे, बरेली जं. से 08.30 बजे, बदायूँ से 09.20 बजे, उझानी से 09.32 बजे तथा सोरों शूकर क्षेत्र से 10.00 बजे छूटकर छपरा 10.55 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनामी के 04 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

महिला दिवस पर देश की प्रमुख महिला आर्किटेक्ट्स का सम्मान

खरी कसौटी

लखनऊ : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, हरि ओम एंटरप्राइजेज ने कोहलर के सहयोग से देश की प्रमुख महिला आर्किटेक्ट्स के योगदान और उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम लखनऊ आर्किटेक्चर कॉलेज में आयोजित हुआ, जिसमें देश भर की प्रमुख महिला आर्किटेक्ट्स ने अपनी प्रेरणा दायक यात्रा और कार्यों को साझा किया। यह आयोजन एक ऐसे क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को उजागर करने के लिए था. जो पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा शासित रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ आर्किटेक्ट की साबिना सिंह और सविता अग्रवाल ने की। उन्होंने आर्किटेक्चर और डिज़ाइन क्षेत्र में लिंग विविधता और महिलाओं के सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया। श्रीमती सिंह और अग्रवाल ने अपनी बात में कहा, "महिलाएं न केवल भवनों का डिज़ाइन कर रही हैं, बल्कि वे भविष्य का निर्माण कर रही हैं।" उन का संबोधन दर्शकों के लिए प्रेरणादायक था. जिसमें महिलाओं के लिए समान अवसरों की बात की गई। यह कार्यक्रम हरि ओम एंटरप्राइजेज के प्रोप्राइटर मनुज शर्मा और कोहलर की प्रतिनिधि तसलीमा परवीन द्वारा प्रस्तुत किया गया। मनुज शर्मा ने कार्यक्रम के दौरान कहा, "आर्किटेक्चर में महिलाएं केवल इमारतें नहीं डिज़ाइन कर रही हैं, वे भविष्य का निर्माण कर रही हैं। हम आज इन महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए तैयार हैं किवे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें और रचनात्मकता और दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व करें।" कोहलर की तसलीमा परवीन ने भी डिजाइन उद्योग में लिंग समानता और स्थिरता को समर्थन देने के बारे में अपनी बात खी। उन्होंने कहा, "कोहलर में हम मानते हैं कि विविधता से नवाचार को बढ़ावा मिलता है। हम हरि ओम एंटरप्राइजेज के साथ इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस करते हैं, जो इनअद्वितीय महिलाओं को सम्मानित कर रहा है, जो आर्किटेक्चर की दुनिया को आकार दे रही हैं।"

एक्सीलेंट एक्शन थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

खरी कसौटी

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर लखनऊ ने पुलिस लाइन्स परिसर में पुलिस कर्मियों के महिला परिवारजनों हेतु एक्सीलेंट एक्शन थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत उन्हें विभिन्न योजनाओं विशेषकर कौशल विकास के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने कहा कि महिलाएं कौशल को रोजगार का साधन बनाए इससे उनका आत्मबल मजबूत होगा और वे भी आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकेंगी। इसके लिए विभाग उनकी हर संभव सहायता करेगा। संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान द्वारा विगत 2 वर्षों के दौरान परिसर मे 100 महिलाओं व किशोरियों अस्सिटेंट ड्रेस मेकर, ब्यूटी केयर असिस्टेंट और असिस्टेंट कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशिक्षण में दक्ष कर उनका प्रमाणन किया जिससे वे हुनरमंद बन रोजगार की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही उनके लिए शीघ्र ही नए कौशल प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।कार्यक्रम में व्यवसाय विशेषज्ञ डॉ सुनित कुमार ने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें कौशल की उनके जीवन में उपयोगिता के विषय में चर्चा की। समाज सेविका किरन धस्माना ने उत्तम कौशल के गुर सिखाए। कार्यक्रम का संयोजन परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी मीरा यादव व संचालन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल ने किया। कार्यक्रम में परिसर में निवास करने वाली लगभग 100 महिलाएं और किशोरियां उपस्थित रहीं।

प्रिशा गोल्ड टूर्नामेंट में गोमती क्रिकेट क्लब की शानदार जीत

खरी कसौटी

लखनऊ। गोमती नगर स्थित सीएसडी सहारा क्रिकेट मैदान में चल रहे प्रिशा गोल्ड टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में आज फिटनेस क्रिकेट क्लब और गोमती क्रिकेट क्लब के बीच खेले गए मैच मे पहले बल्लेबाजी करते हुए फिटनेस क्रिकेट क्लब ने 20 ओवरों में विशाल (42), आशुतोष (25) तथा अमित (16) की मदद से 139 रन बनाए, गोमती क्रिकेट क्लब की तरफ से अमित सिंह ने धारदार गेंदबाजी करते हुए अपने 4 ओवरों में एक मेडेन ओवर के साथ 15 रन देकर 5 विकेट झटक लिए, संदीप रावत ने 2 विकेट प्राप्त किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोमती क्रिकेट क्लब टीम अनुराग सिंह की फिरकी के आगे बेबस दिखी और एक समय मात्र 57 रनों पर अपने 7 विकेट गंवा कर संघर्ष करती रही,किंतु विनय सिंह ने आते ही फिटनेस क्रिकेट क्लब के जबड़े में जाती निश्चित जीत को अपने 76 रन नाबाद पारी (28 गेंद) जिसमें 5 चौके और 8 छक्के शामिल रहे की मदद से मैच का रुख ही मोड़ दिया,और मात्र 17 ओवरों में अपनी टीम गोमती क्रिकेट क्लब को विजयश्री दिलवा दी। अपने एकल प्रयास से उन्होंने आज का प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार अपने नाम किया।

महिला आरपीएफ कर्मी मिर्च स्प्रे कैन से लैस होंगी

खरी कसौटी

गोरखपुर । : महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित ट्रेन यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में एक साहसिक कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मियों को मिर्च स्प्रे कैन से लैस करने का फैसला किया है। यह गैर-घातक लेकिन प्रभावी उपकरण महिला आरपीएफ कर्मियों को चुनौतीपूर्ण स्थितियों से तेजी से निपटने में मदद करेगा, खासकर अकेले या बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा करते समय। यह अभिनव कदम भारतीय रेलवे की लैंगिक समावेशिता, महिला सशक्तीकरण और अपने विशाल नेटवर्क में बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मिर्च स्प्रे कैन प्रदान करने से, महिला आरपीएफ कर्मियों को सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत मिलेगी, जिससे वे खतरों को रोक सकेंगी, उत्पीड़न की घटनाओं का जवाब दे सकेंगी मनोज यादव ने कहा, "यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाने के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। भारतीय रेलवे ने महिला यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार कई उपाय किए हैं। हमारी महिला आरपीएफ कर्मी शक्ति, देखभाल और लचीलेपन की प्रतीक हैं। उन्हें मिर्च स्प्रे के डिब्बे से लैस करके, हम उनका आत्मविश्वास और परिचालन क्षमता बढ़ा रहे हैं, साथ ही यह स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि यात्रियों की सुरक्षा - विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा - हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।" ऐसी ही एक प्रभावशाली नीति आरपीएफ में अधिक महिलाओं को जानबूझकर शामिल करना है। आज, आरपीएफ सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में महिलाओं के उच्चतम अनुपात (9%) पर गर्व करता है। इनमें से कई महिला आरपीएफ कर्मी 'मेरी सहेली' टीमों का हिस्सा हैं, जिनकी मुख्य जिम्मेदारी महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है वे अक्सर संकट में फंसी महिला यात्रियों की सहायता करती हैं, जिनमें गर्भवती माताएँ भी शामिल हैं जिन्हें ट्रेन यात्रा के दौरान प्रसव पीड़ा होती है। 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत, महिला आरपीएफ कर्मियों ने अकेले 2024 में 174 महिलाओं को ट्रेनों में सुरक्षित रूप से जन्म देने में मदद की है, जिससे गोपनीयता, सम्मान और समय पर चिकित्सा सहायता सुनिश्चित हुई है। महाकुंभ जैसे प्रमुख आयोजनों के दौरान, आरपीएफ की महिला कर्मियों ने अपने पुरुष समकक्षों के साथ मिलकर अथक परिश्रम किया और प्रयागराज में पवित्र स्नान के लिए पहुंची हजारों महिला तीर्थयात्रियों को तुरंत सहायता प्रदान की। नए उपकरण से लैस, महिला आरपीएफ कर्मी शक्ति, करुणा और लचीलेपन का प्रतीक होंगी, जो महिला यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।

राष्ट्रीय लोकदल के नवनियुक्त महासचिव का किया गया स्वागत

खरी कसौटी

झांसी। राष्ट्रीय लोक दल के नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे का झांसी आगमन पर जिलाध्यक्ष बृजमोहन सिंह पिपरा के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवम समर्थकों ने झांसी के सेमरी टोल प्लाजा एवम बड़ागाँव मे ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। राष्ट्रीय महासचिव उनके साथ रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल भी थे। झांसी महानगर आगमन पर झांसी के प्रवेश द्वार मेडिकल तिराहे पर राकेश दुबे ने सैकड़ों साथियों के साथ स्वागत किया। अनिल दुबे ने स्वागत से पूर्व वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। रालोद महानगर अध्यक्ष रोहित भार्गव ने महारानी लक्ष्मीबाई पार्क पर सैकड़ों समर्थकों के साथ फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। तदोपरांत अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर सभी कार्यकर्ताओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी और झाँसी की धरती पर आ कर अपने कार्यकर्ताओं को पंचायत चुनाव की तैयारी अच्छी तरह करने के लिये जोश भरा, उन्होंने कहा कि रालोद बुंदेलखंड के नवजवानों को बुंदेलखंड की नौकरियों में प्राथमिकता की मांग पहले से करता रहा है उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि रालोद को बुंदेलखंड,पूर्वांचल और मध्य उत्तर प्रदेश में मजबूत करने के लिए अभियान चला रहा है।इस अवसर पर अनिल त्रिपाठी, अशोक कुमार निरंजन,सरदार कुलवंत सिंह खालसा,चौधरी मो. सिकन्दर, सचेन्द्र सिंह सोनू,सरदार विजय सिंह,विश्वजीत सिंह,नीरज पटेल,हैरान सिंह, जितेन्द्र बगवार, दीपेन्द्र राजपूत, रिंकू यादव, सौरभ सिंह बुन्देला, अफसर यादव, अनिता खरे, पुष्पेन्द्र शर्मा,रंजीत रायकवार,मोहित अहिरवार, लोकेश अहिरवार, नीलू यादव, सहवाग यादव, विशाल कुशवाहा, बृजमोहन राजपूत, संजेश पाल आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति में नारी को नारायणी का दर्जा : रजनी तिवारी

खरी कसौटी, लखनऊ। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को नारायणी का दर्जा दिया गया है और हर युग में महिलाओं ने असाधारण कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'नारी तू नारायणी' कहकर महिलाओं की शक्ति को सम्मानित किया है। उन्होंने यह बात माल, लखनऊ में सर्वोदय आश्रम, टाटा पावर और उषा इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में कही। रजनी तिवारी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए सर्वोदय आश्रम द्वारा प्रशिक्षण उपरांत सिलाई मशीन वितरण की सराहना की। कार्यक्रम में प्रशिक्षित 160 महिलाओं को सिलाई मशीनें दी गईं, जिससे 82 गांवों की महिलाओं को स्वरोजगार का अवसर मिलेगा। राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्या ने महिलाओं से अपनी शक्ति पहचानने का आह्वान किया और कहा कि राज्य महिला आयोग उनकी सेवा के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम का आयोजन सर्वोदय आश्रम की अध्यक्ष उर्मिला श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर टाटा पावर के सुबोध दीक्षित, उषा इंटरनेशनल की उपाध्यक्ष रूपा टैटे, सहायक भूमि व्यवस्था आयुक्त डॉ. अशोक शुक्ला, एडवोकेट अभय शंकर गौड़, जिला पंचायत सदस्य संतोष देवी, कवियत्री ममता सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। संचालन विजय पांडे ने किया और विजय भाई ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन

खरी कसौटी

गोरखपुरः अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे पर महिला सशक्तिकरण को समर्पित अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसीक्रम में गोरखपुर जं. एवं बादशाहनगर स्टेशन आज पूर्ण रूपेण महिला कर्मियों द्वारा संचालित किये गये। सम्पूर्ण भारतीय रेल पर आज महिलायें प्रशासनिक पदो के साथ ही लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड) सहित टेªन संचालन, सिगनलिंग, टिकट जांच एवं अन्य तकनीकी पदों पर सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर 07 मार्च,2025 को नारी शक्ति के सम्मान में पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मण्डल के बरेली सिटी, इज्जतनगर एवं काठगोदाम रेलवे स्टेशन को गुलाबी रंग की रौशनी से सुसज्जित किया गया। 08 मार्च,2025 को गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के रूट रिले इंटरलॉकिंग (आर.आर.आई.) पैनल, स्टेशन संचालन, टिकट बुकिंग, स्टेशन की साफ-सफाई तथा सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा निभाई गयी। इसके अतिरिक्त में लखनऊ मण्डल के बादशाहनगर रेलवे स्टेशन को पूरी तरह महिला कर्मचारियों द्वारा संचालित किया गया। गोरखपुर जं. स्टेशन पर ट्रेनों के नियंत्रण एवं संचलन का कार्य, रूट रिले इंटरलॉकिंग (आर.आर.आई.) पैनल में तैनात सुश्री रिया कुमारी, स्टेशन मास्टर पैनल सुपरवाइजर के नेतृत्व में स्टेशन मास्टर सुश्री अंकिता कुमारी, एरिया कंट्रोलर सुश्री संजना कुमारी, पैनल आपरेटर सुश्री पुष्पा कुमारी, ब्लॉक ऑपरेटर सुश्री रूबी कुमारी, जूनियर इंजीनियर सुश्री रचना कुमारी, ई.एस.एम. सुश्री पारूल शर्मा, सुश्री मुस्कान राय, सुश्री श्वेता सिंह, गाड़ी लिपिक सुश्री अर्चना यादव एवं हम्माल सुश्री हिना द्वारा स्टेशन संचालित किया गया। इसके अतिरिक्त गोरखपुर जं. स्टेशन पर टिकट जांच, यात्री आरक्षण, टिकट बुकिंग, साफ-सफाई एवं सुरक्षा का कार्य भी महिला रेलकर्मियों द्वारा किया गया। कोचिंग डिपो में तैनात महिला तकनीशियनों द्वारा ट्रेनों के मरम्मत का कार्य किया गया। मैकेनाइज्ड लॉण्ड्री, गोरखपुर में लिनेन की धुलाई एवं उनके रख-रखाव का पूरा कार्य महिला कर्मियों द्वारा किया गया। यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में ''नारी शक्ति से विकसित भारत'' थीम पर एक कार्यक्रम का आयोजन मुख्य कारखाना प्रबंधक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर श्री डी. के. खरे के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मियों का उत्साहवर्धन किया गया। बादशाहनगर स्टेशन से ट्रेनों के संचालन का दायित्व जिसमें स्टेशन मास्टर श्रीमती दीपमाला मिश्रा, टिकट निरीक्षक सुश्री मीरा यादव, वाणिज्य अधीक्षक श्रीमती स्वर्णिमा सिन्हा, मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक श्रीमती अलका भट्ट, श्रीमती दीपाली एवं सुश्री बुसरा खातून, पॉइंट्मैन सुश्री माधुरी तथा खलासी सुश्री जरीना हाशमी द्वारा सफलतापूर्वक निभाया गया। स्टेशन अधीक्षक, ऐशबाग द्वारा स्टेशन पर कार्यरत महिला रेल कर्मियों को सम्मानित किया गया। उप मण्डलीय चिकित्सालय, गोण्डा में कार्यरत सभी महिला कर्मियों को सम्मान स्वरूप मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, गोण्डा द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। बनारस एवं वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशनों से कुल दो मेमू पैसेंजर गाड़ियों का संचालन महिला लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड) द्वारा किया गया। बनारस स्टेशन से झूंसी के लिए गाड़ी सं 65129 बनारस-झूंसी मेमू तथा वाराणसी सिटी से गाड़ी सं 65106 वाराणसी सिटी-गाजीपुर सिटी मेमू का संचालन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों (महिला क्रू और रनिंग स्टाफ) द्वारा किया गया। महिला रेल कर्मियों एवं महिला यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर वात्सल्य (शिशु स्तनपान कक्ष) का प्रावधान किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा ट्रेनों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिये मेरी सहेली अभियान शुरू किया गया है। मेरी सहेली में महिला आर.पी.एफ. कर्मचारियों की एक टीम सम्मिलित है, जो अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों से मिलकर उन्हें आश्वासन देती है कि रेलवे उनकी देखभाल करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस रेलवे के 17 महत्वपूर्ण स्टेशनों पर मेरी सहेली टीम का गठन किया गया है, जो महिला यात्रियों की शिकायतों पर उन्हें त्वरित सहायता सुनिश्चित करती हैं। मेरी सहेली टीम यात्रा के दौरान किसी तरह की शिकायत के लिये रेलवे हेल्पलाइन 139 के बारे में उन्हें जागरूक करती है। इसके अतिरिक्त लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडलों तथा मुख्यालय की महिला रेलकर्मी उत्साहपूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलतापूर्वक कर रही हैं।

केंद्रीय विद्यालय में कैसे बनते हैं टीचर?

अगर आप भी केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने की सोच रहे हैं और आपको नहीं पता है कि केंद्रीय विद्यालय में टीचर कैसे बनते हैं तो आपको हम यहां पर बता रहे हैं कि कैसे केंद्रीय विद्यालय में टीचर बना जा सकता है।

बहुत से युवाओं का सपना होता है कि वे टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाएं। अगर आप भी टीचर बनना चाहते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहते हैं तो केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनकर आप अपना यह सपना पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय विद्यालय में समय-समय पर टीचर के पद की वैकेंसी निकलती रहती हैं। केंद्रीय विद्यालय की वैकेंसी निकलते ही आपको अप्लाई करना होगा। अप्लाई करने के बाद रिटेन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर इंटरव्यू क्लियर करना होगा। इंटरव्यू और मेडिकल के बाद आपको जॉइनिंग लेटर मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 50% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों का ज्ञान होना चाहिए। कैंडिडेट की मैक्सिमम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स को बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कोर्स किया होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को सीटेट की परीक्षा भी पास किए होना चाहिए।

क्या बीएड?

यह एक ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम है, जो आम तौर पर तीन से चार साल तक चलता है। इसमें छात्रों को स्कूलों में टीचर के रूप में काम करने के लिए ट्रेन किया जाता है। क्ष्श्वस्त्र में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ग्रेजुएट डिग्री कम से कम 50 परसेंट मार्क्स और कुछ सब्जेक्ट्स में 55 परसेंट मार्क्स के साथ पास करना ज़रूरी है।

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एग्जाम

केवी का टीचर बनने के लिए छात्र का CTET एग्जाम पास करना जरुरी है। CTET एक परीक्षा होती है, जिसे पास करने के बाद आप केंद्र और राज्य स्तर के विद्यालयों में शिक्षक पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं। CTET का आयोजन साल में दो बार होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला पेपर प्राइमरी एजुकेशन यानी 5वीं तक पढ़ाने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है। दूसरा पेपर सीनियर क्लासेज में पढ़ाने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है।

बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबंधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई

इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

जल प्रबंधन की फील्ड में बनाएं शानदार करियर

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं। वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए उपलब्ध हैं ये स्कॉलरशिप्स

भारतीय छात्रों के लिए रूस में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के कई अवसर मौजूद हैं इसकी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है।

रूस में अधिकतर विश्वविद्यालय सरकारी सहायता प्राप्त स्कॉलरशिप देती हैं और एकसमान आवेदन प्रक्रिया अपनाती हैं। कोई भी विदेशी छात्र रूस में यूनिफॉर्म स्टेट एग्जामिनेशन या एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद स्कॉलरशिप के लिए उसी तरह आवेदन कर सकते हैं जिस तरह रूसी छात्र करते हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

स्कॉलरशिप अमाउंट

सरकार से प्राप्त होने वाली स्कॉलरशिप में पूरे कोर्स की ट्यूशन फीस, मेंटनेंस अलाउंस और डोरमेटरी अलाउंस शामिल होता है। जो छात्र इन स्कॉलरशिप को प्राप्त करना चाहते हैं वो भारत में ऑथराइस्ड व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं और वहां उपलब्ध स्कॉलरशिप और कोर्स के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए छात्र एक बार में 6 यूनिवर्सिटिज को चुन सकता है। लेकिन एक फेडरल क्षेत्र में 3 से ज्यादा नहीं चुन सकते जबकि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में दो से ज्यादा नहीं चुन सकते हैं। अपनी पसंद के अनुसार अपनी चॉइस भरें और इसके बाद अन्य को भरें और चयन प्रक्रिया में बुलावे का इंतजार करें। देश के आधार पर ऑपरेटर इंटरव्यू, टेस्ट और परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकते हैं इसकी जानकारी उनकी वेबसाइट या आपको ईमेल के जरिए मिल सकती है। जिन छात्रों को डिग्री के स्तर पर रूसी भाषा की जानकारी नहीं है उन्हें प्री पेरेटरी डिपार्टमेंट में एनरोल किया जाता है। उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ एक साथ रूसी भाषा की पढ़ाई भी करनी पड़ती है।

- अगर आप कैंडिडेट्स की सूची में शामिल हो गए हैं तो अपने पास अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें
- एमबीबीएस डॉक्टर का सर्टिफिकेट तैयार करवाना होगा जिसमें बताया गया होगा कि ऐसा कोई मेडिकल कारण नहीं जिसकी वजह से आपको रूसी यूनिवर्सिटिज में न चुना जाए। इसमें एचआईवी टेस्ट भी करवाना होगा।
- डॉक्यूमेंट्स की कॉपी (रूसी भाषा में ट्रांसलेटिड), ऑनलाइन इन्हे सबमिट करें और हार्ड कॉपी ऑपरेटर के पास जमा करें।
- अब यूनिवर्सिटी में अपने कन्फर्मेशन का इंतजार करें।

अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक को बताया स्पेशल, क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में नामांकन पर जताई खुशी

अभिनेता अभिषेक बच्चन ने आई वांट टू टॉक में निभाए किरदार को खास बताया है। उनके मुताबिक ये एक अविश्वसनीय यात्रा थी। बच्चन को क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के 7वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिषेक ने कहा, फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड द्वारा आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकित होना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है। यह फिल्म एक अविश्वसनीय रूप से खास यात्रा रही है, और आलोचकों के ऐसे सम्मानित पैनल द्वारा मेरे प्रदर्शन को मान्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस मान्यता के लिए मैं फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड का आभार व्यक्त करता हूं। आई वांट टू टॉक एक ड्रामा फिल्म है, जिसे शूजित सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में हैं और यह अर्जुन सेन की सच्ची कहानी पर आधारित है। कैंसर सर्वाइवर अर्जुन कैसे अपनी सेहत और बेटी के साथ उलझते रिश्तों को संभालने की जद्दोजहद में जुटे हैं, इस पर फिल्म केंद्रित है। विषय गहरे मानवीय और भावनात्मक संघर्षों को उजागर करता है। कोंकणा सेन शर्मा को भी क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स के लिए नामांकन मिला है। कोंकणा को किलर सूप के लिए नॉमिनेट किया गया है। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा, ये हमेशा सम्मान की बात होती है। चूंकि ये अभिषेक चौबे की किलर सूप के लिए है, इसलिए और भी खास है। किलर सूप एक ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है, जो अभिषेक चौबे द्वारा निर्देशित है। इस सीरीज में कोंकणा सेन शर्मा और मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं और यह 2017 में तेलंगाना में हुई एक घटना पर आधारित है। इस वर्ष क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में एक नई श्रेणी डॉक्युमेंट्री की शुरुआत की गई है। इस श्रेणी का उद्देश्य भारत की सभी भाषाओं और प्लेटफार्म्स में उत्कृष्टता को मान्यता देना है। इस नई श्रेणी के साथ, पुरस्कार भारत के समृद्ध सांस्कृतिक और रचनात्मक परिदृश्य को उजागर करने वाली आवाजों के लिए एक केंद्रीय मंच प्रदान करेंगे। पुरस्कार का उद्देश्य लघु फिल्मों, वेब सीरीज, वृत्तचित्रों और फीचर फिल्मों की उत्कृष्ट कहानियों का सम्मान करना है। फिल्म क्रिटिक्स गिल्ड की अध्यक्ष अनुपमा चोपड़ा ने इस वर्ष के नामांकन पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, हम 7वें क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स 2025 में डॉक्युमेंट्री को जगह दिए जाने को लेकर उत्साहित हैं। यह अक्सर अनदेखा किया जाने वाला लेकिन भारतीय सिनेमा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारा लक्ष्य इस बढ़ते उद्योग पर प्रकाश डालना और विभिन्न प्रारूपों में उत्कृष्ट कहानी कहने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करना है।

विजय से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच तमन्ना ने बताई प्यार की परिभाषा

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इस इस अफवाह पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे तमन्ना भाटिया ने प्यार पर अपनी राय रखी है। तमन्ना भाटिया ने ल्यूक कौटिनहो से बातचीत में बताया है कि उनके मुताबिक प्यार की परिभाषा क्या है।

बातचीत में तमन्ना भाटिया से पूछा गया कि वह प्यार के बारे में क्या सोचती हैं? उन्होंने इस पर जवाब देते हुए कहा कि प्यार बिना शर्त होना चाहिए, चाहे वह मां-बाप से, पार्टनर से या फिर पालतू जानवर से हो। अगर आप पार्टनर से उम्मीद करना शुरू कर देते हैं तो रिश्ते कारोबार में बदल जाते हैं।

तमन्ना के मुताबिक कैसा होना चाहिए पार्टनर

तमन्ना भाटिया ने कहा मुझे लगता है कि लोग प्यार और रिश्ते को लेकर भ्रम में हैं। जैसे ही प्यार में शर्त आ जाती है तो यह प्यार नहीं रहता। प्यार बिना शर्त होना चाहिए। यह एकतरफा होना चाहिए। यह एक जिम्मेदारी है कि आप दूसरे के लिए क्या महसूस करते हैं। जैसे ही आप उम्मीद लगाते हैं और अगर ये सोचते हैं कि वह भी वैसा ही करे जैसा हम करते हैं तो यह एक कारोबार में बदल जाता है। मैंने महसूस किया कि अगर मैं किसी से प्यार करती हूं तो उन्हें फ्री छोड़ देना चाहिए, जैसे वो हैं उन्हें वैसे ही रहने देना चाहिए।

विजय-तमन्ना ने एक दूसरे की तारीफ की

आपको बता दें कि विजय और तमन्ना दोनों लंबे वक्त से एक कई मौकों पर एक दूसरे के साथ देखे गए। विजय ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बताया मुझे लगता है कि हम दोनों इस बात से सहमत थे कि अगर हमें साथ में समय बिताना अच्छा लगता है और हम एक-दूसरे को पसंद करते हैं, तो इसे छिपाने की क्या जरूरत है। तमन्ना भाटिया ने सबके सामने विजय को अपना हैप्पी प्लेस बताया। उनके मुताबिक विजय ने उन्हें कभी एटिट्यूड के साथ अप्रोच नहीं किया बल्कि बहुत प्यार से उनसे जुड़े।

नयनतारा की नई फिल्म मुकुथी अम्मान 2 घोषित, पैन इंडिया तौर पर होगा प्रदर्शन

मशहूर निर्देशक सुंदर सी अपनी नई पैन-इंडिया फिल्म 'महाशक्ति' (तमिल में 'मुकुथी अम्मान 2') के साथ एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने जा रहे हैं। ये फिल्म न सिर्फ क्षेत्रीय सिनेमा की सीमाओं को तोड़ेगी, बल्कि भारत और दुनिया भर के दर्शकों को एक नई कहानी से जोड़ने का काम करेगी। इसमें साउथ इंडियन एक्ट्रेस नयनतारा लीड रोल प्ले करेंगी। सुंदर सी ने इस मूवी के बारे में बात करते हुए कहा-महाशक्ति पहले से बड़े एक्शन, गहरी कहानी और शानदार विजुअल्स के साथ नए स्तर पर जाएगी। ये हर दर्शक के दिल को छूने वाली फिल्म होगी। हालांकि तमिल में इस फिल्म का नाम मुकुथी अम्मान 2 रखा गया है, लेकिन ये इसका सीक्वल नहीं है। 'महाशक्ति' एक नई फिल्म फ्रेंचाइजी की शुरुआत करेगी, जो भारतीय सिनेमा के स्तर को ऊंचा उठाने वाली साबित होगी। फिल्म को 100 करोड़ के बड़े बजट के साथ बनाया जा रहा है, जिससे यह एक भव्य सिनेमा अनुभव बनने वाली है। इस फिल्म में दुनिया विजय मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे, जो अच्छाई और बुराई के बीच एक जबरदस्त टकराव को दर्शाने वाला होगा।

फिल्म में नयनतारा एक दिव्य शक्ति और रक्षक की भूमिका निभाएंगी। इसके लिए उन्होंने 1 महीने का उपवास भी रखा है। उनके अलावा फिल्म में रेजिना कैसेंड्रा, योगी बाबू, वरिष्ठ अभिनेत्री उर्वशी, गरुड़ा राम और अजय घोष भी अहम भूमिकाओं में हैं।

कियारा आडवाणी ने छोड़ी यह फिल्म! नई एक्ट्रेस खोजने निकले मेकर्स

कियारा आडवाणी की जिंदगी इस समय खुशियों से भरी हुई है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर मीडिया और फैंस के साथ साझा की।

वह इन दिनों फिल्मों 'टॉक्सिक' और 'वॉर 2' की शूटिंग भी कर रही हैं। लेकिन कियारा एक बड़ी फ्रैंचाइजी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। वह इस फिल्म से खुद को अलग कर चुकी हैं।

फिल्म 'डॉन 3' से कियारा आडवाणी ने खुद को अलग कर लिया है। इस फिल्म को फरहान अख्तर बना रहे हैं। फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में होंगे। इंडस्ट्री से जुड़े सोर्स का कहना है कि कियारा आडवाणी अपनी प्रेग्नेंसी पर फोकस करना चाहती हैं। पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा भी इन दिनों कियारा का काफी ध्यान रख रहे हैं।

मेकर्स को अब नई हीरोइन की तलाश

कियारा आडवाणी ने फिल्म 'डॉन 3' को छोड़ दिया है तो इसके मेकर्स अब नई हीरोइन की तलाश में लग चुके हैं। कियारा की जगह किस हीरोइन को फिल्म में रणवीर सिंह के अपोजिट लिया जाएगा, यह कुछ दिनों में पता चल जाएगा। इस फिल्म में विक्रांत मैसी भी एक अहम रोल निभा रहे हैं।

डॉन सीरीज की मूवीज रहीं हिट

'डॉन' सीरीज की फिल्में दर्शकों को काफी पसंद हैं। डॉन सीरीज की फिल्मों की बात की जाए तो पहले दो हिस्सों में शाहरुख खान ने डॉन का रोल निभाया था। अब 'डॉन 3' में रणवीर सिंह डॉन के किरदार में नजर आएंगे। वैसे रणवीर सिंह इस वजह से सोशल मीडिया पर ट्रोल भी हुए थे कि वे शाहरुख की तरह डॉन के किरदार को शायद ही निभा पाएं।

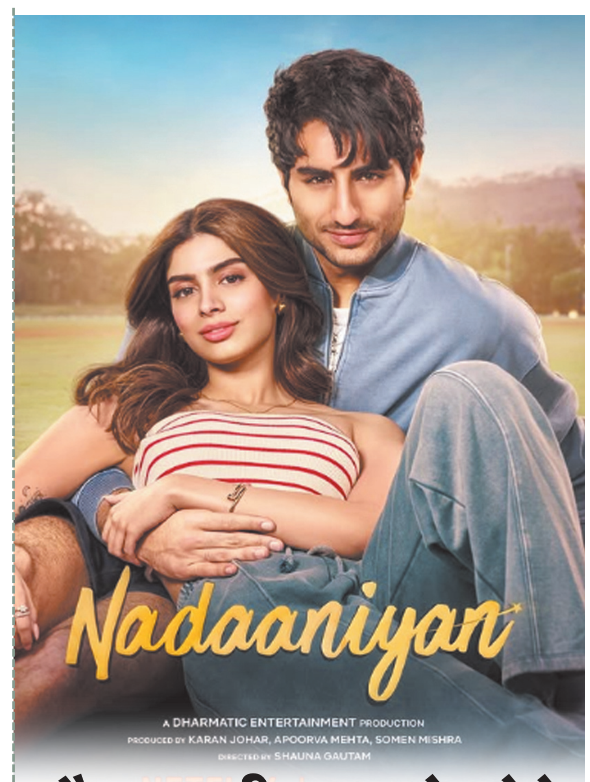

सैफ अली खान के बेटे की ओटीटी डेब्यू फिल्म 'नादानियां' हुई रिलीज

हिंदी फिल्मों की दुनिया में एक और स्टार किड की एंट्री हो चुकी है। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान, श्रीदेवी की बेटी के साथ फिल्म 'नादानियां' में नजर आ रहे हैं। इब्राहिम और खुशी की इस फिल्म के बारे में जानिए, कुछ खास बातें।

ओटीटी पर हुआ इब्राहिम का डेब्यू

पिछले कुछ समय से स्टार किड्स ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के बाद अब सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म 'नादानियां' में वह खुशी कपूर के अपोजिट हैं। खुशी पहले ही एक ओटीटी फिल्म 'आर्चीज' में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उनकी थिएटर रिलीज फिल्म 'लवयापा' भी रिलीज हुई। लेकिन इब्राहिम के लिए यह पहला मौका है, अपने एक्टिंग टैलेंट को दिखाने का। उनकी यह फिल्म यंग ऑडियंस को पसंद आती है या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा।

'कुछ कुछ होता है' की पॉपुलैरिटी का इस्तेमाल

फिल्म 'नादानियां' के टीचर में फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के एक पॉपुलर डायलॉग, सीन को नए जमाने के हिसाब से इस्तेमाल किया गया। शाहरुख खान ने अपनी फिल्म में 'प्यार दोस्ती है' जैसा हिट डायलॉग बोला था। इसी डायलॉग को इब्राहिम अली खान ने फिल्म 'नादानियां' में अलग ढंग से कहा- 'प्यार एक अरेंजमेंट है, दो दिलों के बीच।' लेकिन यह डायलॉग दर्शकों को पसंद नहीं आया। उन्हें लगा कि शाहरुख का चार्म पर्दे पर दिखाना किसी के बस की बात नहीं है। इस बारे में कई सोशल मीडिया यूजर्स रिएक्ट कर चुके हैं।

रेंटल बॉयफ्रेंड के कॉन्सेप्ट पर बनी कई फिल्में

फिल्म 'नादानियां' की कहानी में रेंटल बॉयफ्रेंड का कॉन्सेप्ट है। यही फिल्म को हटकर बनाता है। लेकिन यह कोई नया आइडिया नहीं है। कई कोरियन ड्रामा फिल्म, टीवी शो में रेंटल बॉयफ्रेंड वाली कहानियां दिखाई जा चुकी हैं। बस 'नादानियां' में रेंटल बॉयफ्रेंड के आइडिया में बॉलीवुड मसाला शामिल किया गया है। रोमांस, ड्रामा दर्शकों के लिए भरपूर मात्रा में है।

जियो पॉलिटिक्स में रुचि के कारण द डिप्लोमैट से जुड़े थे जॉन अब्राहम

जॉन अब्राहम जल्द ही फिल्म द डिप्लोमैट में नजर आएंगे। इसमें वह डिप्लोमैट जितेंद्र पाल सिंह का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में जेपी सिंह के पाकिस्तान कार्यकाल को दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन शिवम नायर ने किया है। यह 14 मार्च को रिलीज होगी।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही मैंने सीधे प्रोड्यूसर को कॉल किया...

जॉन ने कहा कि मुझे फिल्म की कहानी के बारे में कुछ नहीं पता था। जब स्क्रिप्ट पर द डिप्लोमैट लिखा देखा तो फौरन इसे करने का मन बना लिया। मैं जियो-पॉलिटिक्स में भी रुचि रखता हूं। स्क्रिप्ट पढ़कर इतना एक्साइटेड था कि सीधे प्रोड्यूसर को कॉल किया था।

मैं और जेपी सिंह दोनों ही आगे की सोच रखते हैं...

जॉन ने आगे कहा कि... मैं और जेपी सिंह दोनों ही आगे की सोच रखते हैं। उन्हें शतरंज खेलना पसंद है। डिप्लोमैट हर चीज को स्टडी करते हैं। किरदार में ढलने के लिए मैंने तीन हफ्ते का वर्कशॉप किया। लुक टेस्ट भी किया ताकि जेपी सिंह की तरह दिखें।

जेपी सिंह की बॉडी लैंग्वेज को स्टडी किया

जॉन ने बताया कि मैंने जेपी सिंह की बॉडी लैंग्वेज को स्टडी किया। उनके खड़े होने के अंदाज पर भी काम किया। असल जिंदगी में मेरी बॉडी लैंग्वेज अलग है लेकिन फिल्म में किरदार के प्रति ईमानदार रहना जरूरी था। मेरी इमेज एक्शन हीरो की रही है लेकिन मद्रास कैफे, बाटला हाउस, परमाणु और अब द डिप्लोमैट जैसी फिल्मों को भी दर्शक पसंद करेंगे। मुझे लगता है कि यह ऑडियंस को सरप्राइज करेगी।

सच्ची घटना पर है फिल्म

निर्देशक शिवम नायर ने भी कहा कि फिल्म सच्ची घटना पर है। मैंने और लेखक रितेश शाह ने जेपी सिंह से कई बार मुलाकात की थी। इसकी स्क्रिप्ट शार्प और एडिक्टिव बनाई गई है। फिर जब जॉन को स्क्रिप्ट दी गई तो उन्होंने पढ़ते ही इसे करने के लिए हां कह दिया था।

अभिनेत्री मलाइका ने रील के बहाने किसे दिया क्रिप्टिक संदेश?

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के रिश्तों को लेकर काफी चर्चाएं होती रहती हैं। अब एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हो चुका है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि वह सबके द्वारा पसंद की जाएं इसलिए यहां नहीं हैं, बल्कि वह अपनी एक खास जगह बनाने के लिए यहां हैं। वीडियो में वह एक ब्लैक ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट के जरिए कुछ क्रिप्टिक संदेश दिया हैं, नेटिजंस इस पोस्ट को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं।